मुंबई के खार इलाके में अमरावती सांसद नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। राणा दंपति के आवास के बाहर शिवसेना कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 130 दिनांकः 24-04-2022 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

आरजेडी के लिए आज का दिन बेहद खास है। एक ओर लालू प्रसाद को चारा घोटाला में मिली जमानत के साथ उनके जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया। दूसरी ओर राबड़ी देवी के आवास पर इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। उसमें सीएम नीतीश कुमार भी पहुंचे।

महाराष्ट्रः नवनीत और रवि राणा गिरफ्तार, उनसे मिलने खार पुलिस स्टेशन पहुंचे किरीट सोमैया की गाड़ी पर हमला

मुंबई, मुंबई के खार इलाके में अमरावती सांसद नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर लग-अलग समूहों के बीच नफरत फैलाने का आरोप है। इससे पहले राणा दंपति के आवास के बाहर शिवसेना कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। सैकड़ों कार्यकर्ताओं को उनके आवास के बाहर देखा गया। इस बीच नवनीत और उनके पति रवि राणा को पुलिस खार पुलिस स्टेशन लेकर पहुंची। इस दौरान नवनीत ने कहा कि हमें जबरन यहां लाया गया है। उन्होंने देवेंद्र फडणवीस से मदद की गुहार लगाई है। इस बीच भाजपा नेता किरीट सोमैया खार पुलिस स्टेशन पहुंचे और राणा दंपति से मुलाकात की। खार थाने से निकलने के बाद भाजपा नेता किरीट सोमैया ने ट्वीट कर बताया कि शिवसेना के गुंडों ने खार थाने पर भारी पथराव किया। मेरी गाड़ी के शीशे टूटे और मैं घायल हुआ। अब मैं बांद्रा पुलिस स्टेशन जा रहा हूं।

मुंबई पुलिस के मुताबिक, विधायक रवि राणा और सांसद नवनीत राणा के खिलाफ खार पुलिस स्टेशन में धारा 153 (ए), 34, आईपीसी आर/डब्ल्यू 37(1) 135 बॉम्बे पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों को खार स्थित उनके घर से हिरासत में लिया गया है। आगे की जांच खार पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही है। नवनीत और रवि राणा ने मुंबई पुलिस को लिखित शिकायत दी है। इसमें कहा गया है कि सीएम उद्धव ठाकरे, शिवसेना नेता अनिल परब और संजय राउत सहित सभी 700 लोगों पर भी धारा 120 बी, 143, 147, 148, 149, 452, 307, 153ए, 294, 504, 506 के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी नेता किरीट सोमैया पर कथित हमले के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही कहा कि महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था बिल्कुल बिगड़ चुकी है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, खार पुलिस कल यानी रविवार को नवनीत राणा और रवि राणा को बांद्रा हॉलिडे कोर्ट में पेश करेगी। पुलिस विश्लेषण के लिए मामले से जुड़े वीडियो और प्रेस कॉन्फ्रेंस फुटेज एकत्र कर रही है। डीसीपी मुंबई मंजूनाथ सिंगे ने बताया कि नवनीत राणा और रवि राणा के आवास के बाहर जमा हुए शिवसैनिकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। हम नामों की जांच कर रहे हैं। दोनों का मेडिकल खार पुलिस स्टेशन में ही चल रहा था जिससे कानून-व्यवस्था से संबंधित स्थिति से बचा जा सके।

इससे पहले नवनीत राणा ने कहा कि मुझे लगता है कि मेरा उद्देश्य स्पष्ट तरीके से पूरा हो गया। हम मातोश्री तक नहीं पहुंच पाए, लेकिन जो हनुमान चालीसा हम करने वाले थे, वो कई भक्त वहां मातोश्री के सामने हनुमान चालीसा पढ़ रहे हैं। कहीं ने कहीं ये सिद्ध होता है कि हमारी आवाज वहां तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि जो भी गुंडे उद्धव ठाकरे ने हमारे घर तक भेजे हैं, अमरावती के घर में हो या मुंबई के घर में हो। बाला साहब के साथ ही उनके शिवसैनिक कब के चले गए। आज की शिवसेना गुंडों की शिवसेना रह गई है। उद्धव ठाकरे के इशारों पर गुंडागर्दी करने का काम महाराष्ट्र में किया जा रहा है। रवि और नवनीत राणा के वकील रिजवान मर्चेंट ने बताया कि रवि राणा और नवनीत राणा के खिलाफ बॉम्बे पुलिस एक्ट की धारा 153̈, 35, 37, 135 के तहत ईर्ध दर्ज की गई है। मेरे मुवक्किल का कहना है कि गिरफ्तारी गैर कानूनी, अवैध और असंवैधानिक है। एक महाराष्ट्र विधानसभा में विधायक और दूसरा सांसद हैं। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी से पहले स्पीकर की अनुमति लेनी चाहिए थी, लेकिन किसी भी तरह की अनुमति नहीं ली गई। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, धारा 41(̈) का नोटिस केस की स्थापना से 14 दिनों के अंदर दिया जाना चाहिए, जो नहीं दिया गया था।

दरअसल, बडनेरा से निर्दलीय विधायक रवि राणा और उनकी पत्नी व सांसद नवनीत राणा ने शनिवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने का एलान किया था। जिसके बाद भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई थी। वहीं इस एलान के बाद से शिवसेना के सैकड़ों कार्यकर्ता राणे परिवार के आवास के बाहर जमकर प्रदर्शन कर रहे हैं। कई कार्यकर्ता तो बैरिकेड्स तोड़कर गेट के अंदर भी घुस गए। हालांकि, राणा दंपति मातोश्री तो नहीं पहुंचे, पर उनके समर्थकों ने वहां हनुमान चालीसा का पाठ किया।

यूक्रेन युद्ध और दिल्ली दंगों की रिपोर्टिंग पर टीवी चैनलों को सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार ने यूक्रेन-रूस जंग और दिल्ली दंगों की समाचार चैनलों की रिपोर्टिंग को लेकर शनिवार को कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए सख्त एडवाइजरी जारी की है जिसमें उनसे संबद्ध कानूनों द्वारा निर्धारित कार्यक्रम संहिता का अनुपालन करने के लिए कहा गया है। सरकार ने यूक्रेन-रूस संघर्ष की रिपोर्टिंग करने के दौरान समाचार प्रस्तोताओं (न्यूज एंकर्स) के 'अतिश्योक्तिपूर्ण' बयानों और 'सनसनीखेज सुर्खियां/टैगलाइन' प्रसारित करने तथा 'अपुष्ट सीसीटीवी फुटेज' प्रसारित कर उत्तर-पश्चिम दिल्ली में हुई 'घटनाओं' की जांच प्रक्रिया बाधित करने की कुछ घटनाओं का हवाला दिया है।

सरकार ने यह भी कहा कि उत्तर-पश्चिम दिल्ली में हुई घटनाओं पर टेलीविजन चैनलों पर कुछ परिचर्चा 'असंसदीय, उकसावे वाली और सामाजिक रूप से अस्वीकार्य भाषा' में थीं। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह उत्तर पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती के अवसर पर एक शोभायात्रा निकाले जाने के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श में कहा गया है, 'उपरोक्त के संबंध में सरकार टेलीविजन चैनलों के अपनी सामग्री का प्रसारण करने के तरीकों पर गंभीर चिंता प्रकट करती है।' परामर्श में कहा गया है, ''टेलीविजन चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क्स (नियमन) कानून 1995 की धाराओं और इसके तहत आने वाले नियमों का उल्लंघन करने वाली किसी भी सामग्री के प्रसारण को तत्काल रोकने के कड़े निर्देश दिए है।'

जहांगीरपुरी हिंसा मामले में फरार पांच आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने जहांगीरपुरी हिंसा मामले में फरार पांच आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। अदालत ने सनवर कालिया, सद्दाम खान, अनवर, चांद, सलमान के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शनिवार को अंसार, सलीम चिकना, इमाम शेख उर्फ सोनू चिकना, दिलशाद व अहीर समेत 9 आरोपियों की रोहिणी कोर्ट में वर्चुअल पेशी कराई थी। जिसके बाद मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने इन पांच आरोपियों को 8 दिनों के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

क्राइम ब्रांच ने अदालत के सामने दलील दी कि मामला बेहद संवेदनशील है। इसलिए अभी और पूछताछ होनी बाकी है, जिससे साजिश में शामिल अन्य आरोपियों का पता लग सके। बता दें कि जिन पांच आरोपियों को अदालत ने पुलिस रिमांड पर भेजा है, इन पर एनएसए के तहत कार्रवाई की जा रही है। क्राइम ब्रांच ने अदालत में कहा कि इन आरोपियों में से किसी को पश्चिम बंगाल ले जाया जा सकता है। ताकि इनसे जुड़े कनेक्शन का पता लगाया जा सके। कोर्ट ने क्राइम ब्रांच के कहने पर 9 में से अन्य 4 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

उल्लेखनीय है कि जहांगीरपुरी में बीते शनिवार को हनुमान जयंती के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी, जिसमें आठ पुलिसकर्मी और एक स्थानीय निवासी घायल हो गया था। पुलिस के अनुसार, हिंसा के दौरान पथराव और आगजनी की घटनाएं हुई और कुछ वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, जहांगीरपुरी के बी-ब्लॉक का रहने वाला अंसार (35) हिंसा की घटना का कथित ''मुख्य साजिशकर्ता'' है।

पुलिस ने कहा कि शुरूआती जांच के दौरान यह सामने आया है कि अंसार के कई बैंक खातों में रुपये हैं और उसके पास कई संपत्ति भी हैं, जिन्हें कथित तौर पर जुआ की रकम से खरीदा गया।

पीएम मोदी के रविवार को जम्मू दौरे से पहले नए सिरे से की गई सुरक्षा समीक्षा,

जम्मूः जम्मू शहर के बाहरी क्षेत्र सुंजवां में आतंकी मुठभेड़ के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे की नए सिरे से सुरक्षा समीक्षा की गई है। पंचायती राज दिवस पर प्रधानमंत्री 24 अप्रैल को सांबा जिले में पल्ली में रैली कर रहे हैं। अब रैली और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। यह रैली मल्टी टियर सुरक्षा घेरे में होगी। खुफिया तंत्र को और विस्तार दिया गया है। पाकिस्तान की सीमा से ड्रोन घुसने की आशंका को तोड़ने के लिए भी व्यापक सुरक्षा प्रबंध किया गया है। प्रशासन रैली में एक लाख लोगों के शामिल होने की व्यवस्था कर रहा है।

रैली की सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि फुलप्रूफ सुरक्षा के तहत सांबा और आसपास के इलाकों में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सार्वजनिक समारोह स्थल को फिलहाल आम जनता के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। कार्यक्रम स्थल की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर चौकियां बढ़ा दी गई हैं। राजमार्ग और इससे जुड़ने वाली सड़कों पर वाहनों और लोगों की पूरी जांच के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने दिया जा रहा है।

सुरक्षा से जुड़े सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को पल्ली पंचायत में स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) की देखरेख में हुई एडवांस सिक्योरिटी लाइजनिंग की प्रक्रिया के दौरान प्रधानमंत्री के दौरे की सुरक्षा के लिए छोटे से छोटे पहलू पर चर्चा की गई। तीनों हेलीपैड पर हेलीकाप्टर उतारकर परीक्षण किया गया। साथ ही जरूरत पड़ने पर सड़क मार्ग से प्रधानमंत्री को रैली स्थल तक लाने के लिए किए प्रबंधों की समीक्षा की गई।यह सारी कार्यवाही जम्मू में एसपीजी के अतिरिक्त महानिदेशक आलोक शर्मा की देखरेख में हुई है। रैली स्थल पर एंटी सेबटाज स्क्वाड की चेकिंग के साथ एरिया डोमिनेशन के प्रबंधों को जांचा गया। बैठक में आधुनिक उपकरणों और तलाशी अभियान पर भी विचार विमर्श किया गया।

ऐसा होगा सुरक्षा घेरा : रैली स्थल की आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेवारी एसपीजी की होगी, दूसरी पंक्ति में जम्मू कश्मीर पुलिस व तीसरे घेरे में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल व अन्य सुरक्षाबल होंगे। सीमा पर सीमा सुरक्षा बल के साथ सेना कड़ी सतर्कता रखेगी। सेना अपनी क्विक रिएक्शन टीमों की तैनाती से हाईवे की सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री दौरे की नए सिरे से समीक्षा कर मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों व उनका सामना करने के लिए उठाए गए अतिरिक्त कदमों पर चर्चा हुई है। रैली पर ड्रोन से भी नजर रहेगी। बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों को सादी वर्दी में लोगों के बीच तैनात किया जाएगा। ये सुरक्षाकर्मी लोगों के बीच मौजूद रहकर उनपर नजर रखेंगे।

संभावित खतरे की मिली हैं सूचनाएं : सूत्रों के अनुसार खुफिया एजेंसियों को जम्मू में पीएम दौरे के दौरान संभावित खतरे के बारे में सूचनाएं मिली हैं। ऐसे में इस समय एसपीजी, जम्मू कश्मीर पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस व खुफिया एजेंसियां हर सूचना को गंभीरता से ले रही हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस के डीजीपी दिलबाग ङ्कसह ने भी प्रधानमंत्री दौरे को लेकर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। होटलों पर भी नजर रखी जा रही है।

भाजपा और कांग्रेस को देख लिया, अब आम आदमी पार्टी को एक मौका देंगेः अरविंद केजरीवाल

- भाजपा और कांग्रेस के सभी अच्छे लोग अपनी पार्टी छोड़ आम आदमी पार्टी में आ जाओ, हम सब मिलकर नया हिमाचल प्रदेश बनाएंगे : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली/कांगड़ा (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता कह रही है कि भाजपा और कांग्रेस को देख लिया। दोनों ने हिमाचल को लूटा लिया, अब आम आदमी पार्टी को एक मौका देंगे। उन्होंने आह्वान किया कि जैसे दिल्ली और पंजाब के लोगों ने सारी पार्टियों व नेताओं को उखाड़कर फेंक दिया और आम आदमी के हाथ में सरकार दे दी, इस बार आप लोग भी आम आदमी के हाथ में सरकार दे दो। मेरे को स्कूल, अस्पताल, सड़कें बनाने और बिजली, पानी व रोजगार देने आता है। मेरे को राजनीति करनी नहीं आती है। अगर आपको राजनीति चाहिए, तो इनके पास चले जाना और विकास चाहिए तो मेरे पास आ जाना। आपने 30 साल कांग्रेस और 17 साल भाजपा को दिए। आपसे मैं केवल पांच साल मांग रहा हूं। अगली बार मेरा काम वोट मांगेगा। दिल्ली वालों से मैंने यही कहा था कि मैंने पांच साल काम किया है, तो मेरे को वोट देना और दिल्ली वालों ने मेरे को 70 में से 62 सीट दे दी। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये लोग हिमाचल प्रदेश और गुजरात में आम आदमी से बुरी तरह से डरे हुए हैं और चुनाव जल्दी कराना चाहते हैं। लेकिन आप चिंता ना करो और सारे जने इकट्ठे हो जाओ। इस बार सत्ता आम आदमी के हाथ में आनी चाहिए।

एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या, बेटी और गर्भवती बहू के साथ रेप की आशंका

प्रयागराज (ईएमएस)। उप्र के प्रयागराज जिले में एक परिवार के पांच लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई। मृतकों में पति-पत्नी, उनकी बेटी, गर्भवती बहू और दो साल की एक पोती है। वहीं अपने मां के पास सो रही पांच साल की बच्ची खटिया के नीचे छिप गई थी। शायद अंधेरा होने की वजह से हत्यारें उसे देख नहीं सके। वह बच गई। आशंका है कि हत्यारों ने विकलांग बेटी और गर्भवती बहू के साथ रेप भी किया है। क्योंकि, इन दोनों के शरीर के निचले हिस्से पर कपड़े नहीं थे। सिर्फ यही नहीं, वारदात के बाद हत्यारों ने घर में आग लगाने की कोशिश की।

यह खौफनाक वारदात शहर मुख्यालय से 40 किमी. दूर थरवई थाना क्षेत्र के खेवराजपुर गांव की है। खेवराजपुर गांव में राजकुमार यादव (55) पत्नी कुसुम (50), एक बेटा सुनील (35), बहू सविता (30), बेटी मनीषा (25) और दो पोतियां साक्षी (5) और मीनाक्षी (2) के साथ रहते थे। शनिवार तड़के करीब चार बजे राजकुमार के घर से धुआं उठ रहा था। धुआं देख ग्रामीणों को शक हुआ कि घर में आग लग गई। वह वहां पहुंचे तो देखकर सन्न रह गए। पांच फीट की बाउंड्री के अंदर और घर के बाहर तीन चारपाई में पांच लोगों के खून से सने हुए शव पड़े हुए थे। मृतकों में राजकुमार, उनकी पत्नी कुसुम, बहू सविता, बेटी मनीषा और दो साल की पोती मीनाक्षी थी।

जबकि पांच साल की बच्ची साक्षी पर का बच जाना किसी आश्चर्य से कम नहीं लग रहा था। जिस तरह से हत्यारों ने दो साल के मासूम, विकलांग तक नहीं छोड़ा साक्षी का बचना ईश्वर का आशीर्वाद ही लग रहा है। साक्षी बहुत घबरायी हुई थी। उसने बताया कि वह जब लोगों को मार रहे थे तभी वह धीरे से खटिये के नीचे छिप गई थी। उसने बताया कि कई लोग थे जो किसी चीज से दादा-दादी को मार रहे थे। घर में पांच लाशें देखकर ग्रामीण सन्न रह गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी। सामूहिक हत्याकांड की खबर से पुलिस के हाथ-पांव फूल गए। पुलिस ने तुरंत फॉरेंसिक व डॉग स्कवॉयड को मौके पर बुलाया। डॉग स्कवॉयड गांव की तरफ 300 मीटर तक गए। ऐसे में पुलिस को शक है कि हत्यारे वारदात को अंजाम देने के बाद गांव की तरफ से ही भागे हैं।

सीतारमण की खरी-खरी, अमेरिका को अपने दोस्त को कमजोर नहीं करना चाहिए

वाशिंगटन (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूक्रेन पर हमले के कारण रूस पर लगी पाबंदियों के बावजूद उससे संबंध बनाए रखने की भारत की नीति को स्पष्ट कर कहा कि यह पड़ोस की सुरक्षा चुनौतियों पर आधारित है, और अमेरिका को यह समझना चाहिये कि अगर उस मित्र चाहिए तब वह कमजोर मित्र नहीं हो सकता है और न ही मित्र को कमजोर करना चाहिए। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने विश्व बैंक समूह की स्प्रिंग मीटिंग्स के लिये अमेरिका की अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान की गई बातचीत से यह बात समझी है।

भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू द्वारा आयोजित रात्रिभोज में उन्होंने कई अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात की,इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और अन्य अधिकारी भी शामिल थे। सीतारमण ने कहा, भारत निश्चित रूप से एक मित्र बनना चाहता है, लेकिन अगर अमेरिका भी एक मित्र चाहता है, तब वह कमजोर मित्र नहीं हो सकता है और मित्र को कमजोर किया भी नहीं जाना चाहिए। वित्तमंत्री ने कहा, इसलिए हम निर्णय ले रहे हैं। हम सोच समझकर अपना रूख स्पष्ट कर रहे हैं,क्योंकि हमें भौगोलिक स्थिति की वास्तविकताओं को देखते हुए यानी जहां हम हैं, वहां मजबूत होने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि चीन के साथ उत्तरी सीमा पर तनाव है, जो कोरोना के बावजूद जारी है, पाकिस्तान के साथ लगातार तनावपूर्ण स्थिति है। अफगानिस्तान में आतंकवादी रोधी कार्रवाईयों के लिये भेजे जाने वाले सैन्य उपकरण पड़ोसी देश के रास्ते भारत भेज दिए जाते हैं। सीतारमण ने कहा, आपका पड़ोस वह है, जो आपके आसपास मौजूद है। आप जब रिश्तों के बारे में बात कर रहे हों तो आपको इसे ध्यान में रखना होगा। अमेरिका भारत पर लगातार यह दबाव बना रहा है कि वह रूस के हमले के खिलाफ अधिक सख्त रुख अपनाए और उसके साथ अपने व्यापारिक संबंधों, विशेष रूप से ऊर्जा आयात को रोके या कम करे। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के वरिष्ठ अधिकारी ने तो भारत को 'परिणाम' भुगतने तक की धमकी दे दी।

भारत ने न तब रूस के हमले की प्रत्यक्ष निंदा की है और न ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उसके खिलाफ लाए गए प्रस्तावों के पक्ष में वोट दिया है। हर बार भारत ने रूस के मामले पर खुद को वोटिंग से दूर रखा है। भारत ने बातचीत के जरिये समस्या का हल निकालने का आह्वान किया है। इसके अलावा भारत ने यूक्रेन को मानवीय सहायता भेजी है। भारत ने हालांकि बूचा में हुए नरसंहार की निंदा की है और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा इसकी स्वतंत्र जांच कराने के आह्वान का समर्थन किया है। परिणाम भुगतने की धमकी देने के बावजूद अमेरिका का जो बाइडेन प्रशासन रूस को लेकर भारत की स्थिति को समझने की बात करता रहता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध का परिणाम शेष देशों की तरह भारत भी भुगत रहा है। युद्ध के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है और भारत भी इसका हिस्सा है। वित्त मंत्री ने कहा कि यूक्रेन से सूरजमुखी के तेल की आपूर्ति और रूस से उर्वरकों की आपूर्ति की बाधा ऐसी कई चुनौतियों में से एक है। सीतारमण विश्व व्यापार संगठन द्वारा भारतीय अनाज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की संभावना को लेकर सबसे अधिक उत्साहित थीं। उन्होंने कहा, ठडब्ल्यूटीओ की निदेशक नाइजीरिया की न्गोजी ओकोंजो-इवेला ने कहा है कि आप इस मुद्दे को उठाएं, हम इसे सकारात्मक रूप से देख रहे हैं और उम्मीद है कि इसका हल निकाल लिया जायेगा।ठ

चीन के शंघाई में कोरोना संक्रमण से बिगड़े हालात; लाकडाउन से लोगों में बढ़ी नाराजगी, इटली में मिले 70,520 नए केस

शंघाई। चीन के वित्तीय केंद्र शंघाई में कोरोना की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। शुक्रवार को 12 और कोरोना पीडितों की मौत हो गई। अप्रैल के शुरू से लागू कड़े लाकडाउन और कठोर आनलाइन सेंसरशिप से शहर के निवासियों में नाराजगी बढ़ गई है। यह शहर देश में अभी तक के सबसे बड़े कोरोना संक्रमण का सामना कर रहा है। एक दिन पहले गुरुवार को शंघाई में कोरोना से एक व्यक्ति की मौत हुई थी।

इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय रहने वाले लोग रात भर आनलाइन प्रतिबंधों के खिलाफ संघर्ष करते रहे। छह मिनट के वीडियो में निवासियों ने भोजन और दवा की कमी की शिकायत की। शनिवार को वीडियो के सभी सीधे संदर्भ हटा लिए गए, फिर भी सेंसरशिप की आलोचना करने वाली कुछ टिप्पणियां रह गई। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि जब तक नए मामले मिलते रहेंगे तबतक कोई छूट नहीं दी जाएगी।

शंघाई के मेयर गोंग झेंग ने कहा कि और कठिन समय सामने आया तो हम पहरा और कड़ा करेंगे। क्वारंटाइन क्षेत्र से बाहर शुक्रवार को 218 मामले मिले। इससे एक दिन पहले 250 मामले मिले थे। शहर में 20,634 नए स्थानीय लक्षण हीन संक्रमण पाए गए हैं। कुल लक्षण वाले मामलों की संख्या 21 अप्रैल को 2736 तक पहुंच गई है। चीन में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। चीन का वित्तीय केंद्र शंघाई कोरोना संक्रमण का हाटस्पाट बन गया है। शंघाई में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण हालात खराब होते जा रहे हैं।

एपी के मुताबिक, बीजिंग में शुक्रवार को मिडिल स्कूल के 10 विद्यार्थियों के जांच में पाजिटिव पाए जाने के बाद चीन की राजधानी में सतर्कता बरती जा रही है। शहर के अधिकारियों ने कहा कि यह जांच का प्रारंभिक चरण है। अधिकारियों ने एक सप्ताह के लिए स्कूल की कक्षाएं निलंबित कर दी हैं। शुक्रवार को बीजिंग में चार और मामलों की पुष्टि हुई।

इटली में शनिवार को कोरोना के 70,520 नए मामले सामने आए जबकि 143 लोगों की मौत हो गई। इटली में एक दिन पहले शुक्रवार को कोरोना के 73,212 नए मामले सामने आए थे जबकि 202 लोगों की मौत भी हो गई थी।

लालू की जमानत से निखर गई तेजस्वी की इफ्तार पार्टी की रंगत, आरजेडी के लिए खास हुआ दिन

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के लिए शुक्रवार का दिन खास बन गया। एक ओर पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को झारखंड हाईकोर्ट ने चारा घोटाला के डोरांडा कोषागार मामले में जमानत दे दी है तो दूसरी ओर नेता बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की इफ्तार पार्टी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल हुए। लालू को जमानत मिलने के साथ आरजेडी की इफ्तार पार्टी की रंगत में निखार आने लगा था। तेज प्रताप यादव ने गृहमंत्री अमित शाह को भी न्योता दिया था।

बता दें कि डोरंडा कोषागार से अवैध निकासी मामले में पांच साल की सजा काट रहे आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। बीमारी और उम्र का हवाला देते हुए लालू प्रसाद यादव के अधिवक्ता ने जमानत अर्जी दाखिल कर रखी थी। कोर्ट ने उनकी अर्जी स्वीकर करते हुए उन्हें जमानत दे दी। बीते 21 फरवरी को पांच साल की सजा सुनाए जाने के बाद से वे जेल में थे। अब एक सप्ताह के अंदर वे जेल से बाहर आ जाएंगे।

इस बीच आज बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी अन्) के पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास पर आरजेडी ने इफ्तार पार्टी का आयोजन किया। माह ए रमजान में लालू प्रसाद यादव की इफ्तार पार्टी चर्चित होती थी। बीच में कोरोना की महामारी ने इसपर पर ब्रेक लगा दिया था। लालू प्रसाद यादव के जेल में रहने के कारण बेटे व विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसकी कमान संभाली। इसके लिए बड़े पैमाने पर इंतजाम किया गया था।

आरजडी की इफ्तार पार्टी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी शिरकत की। वे तो पैदल ही अपने आवास से राबड़ी आवास तक गए।

नीति आयोग के वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (ईएमएस)। नीति आयोग के वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनकी नियुक्ति पांच साल पहले अगस्त 2017 में हुई थी। उन्होंने अरविंद पनगढ़िया की जगह ली थी। अब सुमन के बेरी नीति आयोग के नए वाइस प्रेसिडेंट होंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है ?कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने राजीव कुमार के इस्तीफे को मंजूरी दी। उन्हें 30 मार्च 2022 को कार्यमुक्त किया जाएगा। फिलहाल उनके पद से हटने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। डॉ सुमन के बेरी को राजीव कुमार की जगह एक मई 2022 से अगले आदेश तक नीति आयोग का वाइस प्रेसिडेंट नियुक्त करने को मंजूरी दी गई। बेरी को तत्काल प्रभाव से 30 अप्रैल 2022 तक नीति आयोग का सदस्य बनाया गया है। बेरी ने इससे पहले नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के महानिदेशक (मुख्य कार्यकारी) के रूप में कार्य किया है। वह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद, सांख्यिकीय आयोग और मौद्रिक नीति पर भारतीय रिजर्व बैंक की तकनीकी सलाहकार समिति के सदस्य भी रह चुके हैं। नीति आयोग का गठन, योजना आयोग को खत्म करके जनवरी 2015 में हुआ था। राजीव कुमार के पास ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से इकनॉमिक्स में डीफिल की डिग्री है। उन्होंने लखनऊ यूनिवर्सिटी से पीएचडी की हुई है। वह सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च में सीनियर फेलो रह चुके हैं।

कार्टून कोना

अनाज निर्यात को लेकर डब्ल्यूटीओ नियमों से भारत को परेशानीः सीतारमण

वाशिंगटन (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है, कि यूक्रेन संकट के कारण वैश्विक स्तर पर उत्पन्न खाद्यान्न की कमी के बीच अनाज के निर्यात के जरिए समस्या का समाधान निकालने की क्षमता रखने वाले भारत जैसे देशों को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सीतारमण ने कहा कि हाल में समाप्त हुई अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की सालाना बैठक के दौरान भारत की चिंताओं के जवाब में डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक नगोजी ओकोंजा इवेला ने कहा कि संगठन इस ओर सकारात्मक रूप से ध्यान दे रहा है, इसका समाधान निकलने की उम्मीद है।

इस मौके पर सीतारमण के साथ अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारत से खाद्यान्न संकट की स्थिति में मदद देने का अनुरोध किया है। सीतारमण ने कहा, ''पूर्ण सत्र के दौरान डब्ल्यूटीओ की प्रतिक्रिया बहुत ही सकारात्मक थी। मुझे उम्मीद है कि हम दशक भर पुरानी उस बाधा से पार पा सकते हैं, जो हमें खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए आवश्यक अतिरिक्त भंडार के बाद हमारे कृषि उत्पादों का उपयोग करने से रोकती रही है। इसका लाभ किसानों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने यूक्रेन संकट की पृष्ठभूमि में खाद्यान्न निर्यात और विनिर्माण के अवसरों की पहचान की है।

वित्त मंत्री ने कहा, हमने नए अवसरों की पहचान की है और उस दिशा में आगे बढ़े हैं...खाद्यान्न विशेषकर गेहूं के निर्यात को लेकर। हमारे द्वारा विनिर्मित उत्पादों को इसतरह के गंतव्यों तक पहुंचाने के अवसर हम खोज रहे हैं जहां आपूर्ति में अवरोधक पैदा हो गए हैं। उन्होंने कहा कि इस युद्ध (रूस-यूक्रेन) ने कई सच्चाईयां दुनिया के सामने ला दी हैं। सीतारमण ने कहा, एक सत्र में मैंने अपनी बात रखी थी कि भारत जैसे देश जिनमें कृषि उत्पादों विशेषकर अनाज के निर्यात की क्षमता है, वे डब्ल्यूटीओ में दिक्कतों का सामना कर रहे हैं।''

संजय राउत ने दी चेतावनी, 'शिवसेना और मातोश्री से मत खेलें, वरना जमीन में 20 फुट नीचे गाड़ दिया जाएगा'

मुंबई, (ईएमएस)। इन दिनों महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर और हनुमान चालीसा को लेकर बवाल जारी है. इस बीच महाराष्ट्र के अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने का ऐलान कर विवाद को और बढ़ा दिया. जिसके चलते उनकी गिरफ्तारी भी हो चुकी है. अब शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत ने नवनीत राणा को लोकसभा सीट से दोबारा चुनाव जीतने की चुनौती दी है और कहा है कि, जो भी उनकी पार्टी के धैर्य की परीक्षा लेगा उसे जमीन में 20 फुट नीचे गाड़ दिया जाएगा. आपको बता दें कि राणा और उनके विधायक पति रवि राणा ने ऐलान किया था कि वो दोनों महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के मुंबई स्थित निजी आवास मातोश्री के सामने शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे. उनकी यह घोषणा शिव सैनिकों को रास नहीं आयी और वे खार स्थित निर्दलीय विधायक के आवास पर पूरे दिन धरने पर बैठे रहे. हालांकि, सांसद-विधायक दंपती ने दोपहर में अपने दावे को वापस लेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक सम्मान समारोह में हिस्सा लेने के लिए रविवार को मुंबई आ रहे हैं और इस दौरान वे कानून-व्यवस्था की समस्या खड़ी नहीं करना चाहते हैं.

- हिंदुत्व के विरोधी कर रहे हनुमान चालीसा का पाठ - राउत

नवनीत राणा को लेकर दिनभर चले बवाल के बाद संजय राउत ने कहा कि कुछ 'फर्जी लोग' राज्य का माहौल खराब करना चाहते हैं और भाजपा उनका समर्थन कर रही है. नवनीत और उनके पति का नाम लिए बगैर राउत ने कहा कि जो आज हनुमान चालीसा का पाठ करने की बात कर रहे हैं उन्होंने हिन्दुत्व और अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का विरोध किया था. राउत ने कहा, ''मैं उनसे शिवसेना और मतोश्री के साथ नहीं खेलने का अनुरोध करता हूं, वरना उन्हें जमीन में 20 फुट नीचे गाड़ दिया जाएगा. शिव सैनिकों के धैर्य की परीक्षा ना लें.'' उन्होंने आरोप लगाया कि फर्जी जाति प्रमाणपत्र के मामले में कानूनी लड़ाई लड़ रही राणा का भाजपा साथ दे रही है. राउत ने दावा किया, ''अमरावती से लोकसभा चुनाव लड़ने और जीतने के लिए उन्होंने फर्जी जाति प्रमाणपत्र का इस्तेमाल किया. यह घोटाला है और केन्द्र उनकी मदद कर रहा है. वह उच्च न्यायालय में मुकदमा हार गईं और अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है.''

जन हितैषी

धरती पर संकट

हमारी प्रकृति और इसके संसाधनों के लगातार दोहन से पूरी दुनिया में जबरदस्त पर्यावरण संकट छाया हुआ है। बीते कुछ दशकों से लगातार बढ़ते प्रदूषण ने धरती की मुश्किलें बहुत हद तक बढ़ा दी हैं। आज ग्लोबल वॉर्मिंग गंभीर वैश्विक खतरा बन गया है। प्रदूषण और बढ़ते मानवीय हस्तक्षेपों ने जिस जलवायु परिवर्तन के संकट को पैदा कर दिया है उसके चलते पृथ्वी के नियमित चक्र भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। यही वजह है कि हमारी धरती के किसी कोने में भीषण गर्मी हो रही है तो किसी दूसरी जगह भयानक जल प्रलय जैसे हालात पैदा हो रहे हैं। अनेक देशों में समुद्र तटीय इलाके लगातार सागरों के जल में डूबते जा रहे हैं। जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेकों प्रजातियां खत्म हो रही हैं या खात्मे की कगार पर हैं। वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और शोधार्थियों का मत है कि हमें अपनी धरती को रहने लायक बनाए रखने के लिए तुरंत ही आगे आना होगा। दरअसल हमारी धरती के चक्रों और इसके तत्वों में संतुलन कायम रखने के लिए विश्व में जनसमुदाय को इनकी अहमितय समझनी जरूरी है। आम लोग पृथ्वी और इसके पर्यावरण को समझें, वे इसके संसाधनों की निरंतरता बनाए रखने के लिए आगे बढ़कर कुछ प्रयास करें इन इरादों के साथ ही पृथ्वी दिवस जैसी पहल दुनिया ने एक साथ शुरू की। अभी तक का हमारा ज्ञान और उपलब्ध सूचनाएं कहती हैं कि हमारी धरती ही अकेला ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन है। इस जीवन को बचाने और निरंतर बनाए रखने के लिए हमें धरती की अनमोल प्राकृतिक संपदाओं को बचाए रखना जरूरी है। विशाल पैमाने पर औद्योगीकरण तथा नगरीकरण आदि की प्रक्रियाओं ने प्रकृति पर जबरदस्त दबाव का वातावरण बना दिया है। प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के दुष्परिणाम आज पूरी धरती पर अलग-अलग तरह से दिखाई दे रहे हैं। लगातार सूखा, बाढ़, रेगिस्तानी इलाकों में हिमपात या ओलावृष्टि, जबरदस्त भू-स्खलन, समुद्री तूफान आदि चुनौतियों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। इन बदलावों और अचानक आने वाले संकटों से हर साल दुनियाभर में लाखों लोग प्रभावित होते हैं। यही नहीं वनों और उनमें रहने वाले जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास भी इन संकटों के चलते खत्म हो जाते हैं या खतरे में पड़ जाते हैं। हमारे लिए यह जानना और समझना बहुत आवश्यक है कि हमारे आसपास का जो परिवेश है, जिस पर्यावरण में हम रहते हैं, उसमें उपस्थित हर तत्व, हर घटक बहुत विशेष है। नदिया, पर्वत, घाटियां, पठार, छोटी-छोटी वनस्पतियां, विशाल पेड़ और समस्त जीव जंतुओं का हमारी धरती पर विशिष्ट महत्व है। धरती पर मौजूद हर संसाधन बहुमूल्य है। ये संसाधन सीमित हैं और इन्हें किसी भी सूरत में मानव अपनी आवश्यकताओं के लिए तुरंत तैयार नहीं कर सकता। जल हो या जंगल, हवा हो या कोई जीव-जंतु, यदि एक भी प्राकृतिक संसाधन खत्म हो गया तो प्रकृति का पूरा चक्र गड़बड़ा जाएगा। हम सभी जानते हैं कि पानी के बिना जीवन संभव नहीं है। हम यह भलीभांति जानते ही हैं कि मानव समेत अन्य जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की जल की आवश्यकता निस्संदेह बहुत महत्वपूर्ण है। यह तथ्य भी सर्वविदित है कि हमारी धरती पर मौजूदा कुल जल संसाधनों का मात्र लगभग 3 प्रतिशत ही पीने योग्य है। पेय जल हमें ग्लेशियरों और भूमिगत जल राशियों से प्राप्त होता है। यह एक वैज्ञानिक तथ्य है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ा है और इससे ग्लेशियर सिकुड़ते जा रहे हैं। इससे हिमालयी सदानीरा नदियों में भी असंतुलन पैदा हुआ है। नदियों के इकोलॉजिकल सिस्टम पर भी बहुत बुरा असर पड़ा है। भूमिगत जल का दोहन इस कदर हो चुका है कि अब अधिकांश इलाकों में कई सौ मीटर की गहराई तक खुदाई करने से भी टयूबवेल के लिए पानी नहीं मिल रहा। एक और संकट है कि बढ़ते मृदा प्रदूषण के कारण भूजल प्रदूषित हो चुका है। कई जगहों पर नलकूपों का पानी इतना खराब होता है कि उसे किसी भी काम में नहीं ला सकते। विश्लेषक मानते हैं कि धरती पर निकट भविष्य में जल संकट की भयंकर तस्वीर सामने आने वाली है।

महंगाई पर काबू की कौन सोचेगा?

दरअसल मंहगाई वो सार्वभौमिक सत्य है जिसको लेकर शायद ही कभी ऐसा दौर रहा हो सरकार किसी की भी हो, निशाने पर न आई हो। कभी मंहगाई को विकास के पैमाने से जोड़ा जाता है तो कभी इसे महामारी या युध्द के नाम मढ़ दिया जाता है। लेकिन यह भी बड़ी हकीकत है कि कम से कम भारत में मंहगाई की मार हमेशा एक तबका विशेष को ही ज्यादा झेलनी पड़ती है। यह बात अलग है कि समय के साथ इसके निशाने पर समाज का अलग-अलग वर्ग आता रहा है। मौजूदा समय में बेशक मंहगाई का सबसे बड़ा खामियाजा वो मध्यम वर्ग ही झेल रहा है जिसके पास सिवाय सीमित आय से गुजारा करने के और कोई चारा नहीं बचा है। इस सच को भी स्वीकारना होगा कि तमाम वायदों, प्रलोभनों और राजनीतिक दांव-पेंच के बीच कभी सस्ता तो कभी मुफ्त का अनाज, कभी गरीबों को मदद पहुंचाने की होड़ में छूटता और पिसता मध्यम वर्ग ही है जो अपनी सीमित आय और तमाम सरकारी औपचारिकताओं को पूरा कर हमेशा पिसता रहा है। पहले गरीब मंहगाई का शिकार होते थे जब किसी भी तरह की सरकारी योजनाओं का सीधा-सीधा लाभ नहीं मिल पाता था। अब चाहे बात इन्कम टैक्स की हो या मकान भाड़ा, वाहन का भाड़ा हो या वक्त पर काम पर पहुंचने की दौड़, बच्चों को योग्यता के हिसाब से पढ़ाने या रहन-सहन में खर्च की या फिर इज्जत के साथ परिवार के दो जून की रोटी की कवायद। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित मध्यम वर्ग ही हुआ है।

मौजूदा मंहगाई को पहले कोविड की नजर लगी, अभी रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते ग्लोबल इकॉनामी की दुहाई दी गई। जिंस और वित्तीय बाजारों में जैसे उतार-चढ़ाव दिख रहे हैं वह ठीक नहीं हैं। अब ज्यादा सतर्कता के साथ वित्तीय कदम उठाए जाने चाहिए जिससे भारत में मुद्रास्फीति और वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले प्रतिकूल असर से निपटने में मदद मिल सके। इसी 11 अप्रेल को सरकार द्वारा जारी किए गए डेटा बताते हैं कि मार्च-2022 में खुदरा महंगाई दर फरवरी-2022 की तुलना में इतनी बढ़ी कि 16 महीनों के उच्चतम स्तर 6.95 प्रतिशत पर पहुंच गई। फरवरी-2022 में यही दर 6.07 प्रतिशत थी।

इसी मंहगाई दर या वृध्दि की तुलना बीते साल के मार्च से करें तो और भी चौंकाने वाला आंकड़ा सामने है। मार्च में खाने-पीने के सामान के दामों में 7.68 प्रतिशत की वृध्दि हुई जो फरवरी में केवल 5.85 प्रतिशत थी। अंतर और आंकड़े खुद ही कहानी कह रहे हैं। वहीं यदि इसी फरवरी-2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर बदलती दिखने लगती है। पेट्रोल-डीजल के मूल्य में 10-10 रूपए की वृध्दि का असर माल भाड़े पर भी पड़ा और भाड़ा 15 से 20 तक तक बढ़ा। इन कारकों और कारणों से खुदरा और थोक दोनों बाजारों में अनाज, फल, दूध और सब्जियों के दाम किस तरह से बढ़े, सबको पता है। मार्च महीने में खाने-पीने की वस्तुओं के दामों में 7.68 प्रतिशत की तेजी आई है जबकि यही खुदरा महंगाई दर फरवरी में 5.85 प्रतिशत पर थी। हालांकि 48 अर्थशास्त्रियों के बीच एक पोल के जरिए पहले ही यह अनुमान लगा लिया गया था कि खुदरा मंहगाई दर बढ़ गई है जो 16 महीनों के अधिकतम स्तर पर पहुंच चुकी है। बाद में यही सच निकला। सर्वेक्षण 4 से 8 अप्रेल के बीच किया गया था और सरकारी आंकड़े 11 अप्रेल को आए। फरवरी-2022 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 13.11 प्रतिशत रही जो 4 महीनों का उच्चत्तम स्तर था। वहीं जनवरी-2022 में दर 12.96 प्रतिशत थी जो मार्च-2022 में 14.55 प्रतिशत पहुंच गई। जबकि मार्च 2021 में यही थोक आधारित महंगाई दर केवल 7.89 प्रतिशत थी जिसका दहाई के अंकों तक पहुंचना चिन्ताजनक है।

137 दिनों के अंतराल के बाद भारत में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में इजाफा का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ जिसने कई दिनों तक थमने का नाम नहीं लिया। जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम गिर चुके थे। भारत में पेट्रोल-डीजल के दामों में बीते 22 मार्च से इसी 6 अप्रैल तक कई बार वृध्दि हुई जो दिवाली के वक्त से नहीं बढ़े थे। वैश्विक स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर शुरू में भारत में नहीं दिखा क्योंकि 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव थे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 15 मार्च 2022 से पहले लगातार तीन सप्ताह तक 130 डॉलर प्रति बैरल तक उछला तेल भी टूटकर 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। भारत में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों उछाल दुनिया में तेल के दाम गिरने के बाद शुरू हुए।

हालांकि छह अप्रैल से इसे लिखे जाने तक कोई भी कीमत नहीं बढ़ी है। लेकिन तब तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 10-10 रुपए का इजाफा हो चुका था। इसी तरह एलपीजी, पीएनजी, सीएनजी के दाम भी बढ़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में कीमतों में गिरावट जारी है। 3 अप्रैल को इंडियन बास्केट की कीमत गिरकर 97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई जो मार्च की औसत कीमत से लगभग 13 प्रतिशत सस्ती है।

मंहगाई का सबसे ज्यादा असर थाली पर पड़ता है। नींबू तक ने दामों में ऐसी ऐतिहासिक छलांग मारी कि नजर उतारने के बजाए खुद नजरिया गया। यही हाल आसमान छूते सब्जियों के दामों, दूध, फल और अन्य खाद्य सामग्रियों पर भी पड़ा। लोहे के सरियों की कीमतें जबरदस्त उछलीं। सीमेण्ट भी प्रति बोरी 15 से 25 रुपए बढ़ गई। ईंट तक के दाम खूब उछाल पर हैं। कुछ समय पहले तक दो कमरे, एक रसोई, एक बाथरूम यानी औसत 111 गज का मकान 10 लाख रुपए में आसानी से बन जाता था अब वहीं 12-13 लाख रुपयों से भी ज्यादा हो गई है। इधर आम दवाइयां जैसे बुखार, दर्द निवारक से लेकर एंटीबायोटिक तक की कीमतें भी दस प्रतिशत तक बढ़ीं जिससे इलाज कराने वालों का दर्द घटने की बजाए बढ़ा। रोजाना दवाओं के सहारे जिन्दगी की डोर थामें मरीजों को अब एक-एक सांस भारी पड़ रही है।

एक तरफ हम 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। दूसरी तरफ लॉकडाउन ने करोड़ों रोजगार खत्म कर दिए। अनगिनत व्यापार-व्यवसाय चौपट हुए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग एकाएक गरीब हो गए। उन्हें वो राहत नहीं मिली जो मिलनी थी। रही-सही कसर दो साल में कोरोना ने पूरी कर दी। अब रूस-यूक्रेन युध्द की विभीषिका के नाम पर अर्थव्यवस्था तबाही की कगार पर है। विसंगतियां बहुत हैं। सरकार का राहत पैकेज बड़े उद्योगपतियों को जरूर मिला लेकिन आम जनता के हिस्से आया केवल पांच किलो अनाज। माना कि सरकारी कर्मचारियों की थोड़ी बहुत भरपाई मंहगाई भत्ता बढ़ाकर हो भी जाए लेकिन बांकी मध्यम वर्ग को राहत की कौन सोचेगा?

वैसे तो मंहगाई का सब पर असर पड़ता है और पड़ा भी। खाली जेब आम आदमी कैसे जाएगा बाजार? सवाल फिर वही कि मंहगाई को काबू में कैसे रखा जाए? जाहिर है मंहगाई वो बेलगाम घोड़ा है जिसे रोका तो नहीं जा सकता पर काबू जरूर किया जा सकता है। लगता है कि इन हालातों में मंहगाई घटेगी! हां, काबू में तो रखना ही होगा वरना जीवन और कठिन हो जाएगा। (लेखक-ऋतुपर्ण दवे / ईएमएस)

हरीश रावत की ताकत का एहसास करा गया यह विद्रोह!

उत्तराखंड में यह स्पष्ट हो गया है कि हरीश रावत को उत्तराखंड में कांग्रेस के भीतर नकारा नहीं जा सकता है।हरीश रावत पिछले कई दिनों से इस बात के संकेत दे रहे थे कि वह आने वाले दिनों में भी अपनी राजनीतिक सक्रियता बनाए रखेंगे।यशपाल आर्य जिन्हें नेताप्रतिपक्ष बनाया गया है , हरीश रावत खेमे के माने जाते हैं। हरीश रावत के आशीर्वाद से ही उन्हें यह पद मिला है।हरीश रावत ही इस पद हेतु उनके लिए लांबिग कर रहे थे। कांग्रेस आलाकमान ने जो नियुक्ति की हैं, उससे यह साफ हो गया है कि उत्तराखंड में चुनाव हारने के बाद भी हरीश रावत की कांग्रेस आलाकमान पर पकड़ मजबूत है।तभी तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर वे करन महारा को बैठाने में कामयाब हो गए। कांग्रेस को मिली हार के बाद हरीश रावत अपने विरोधियों के निशाने पर आ गए थे और ये माना जा रहा था कि वह सियासत में हाशिए में चले गए हैं और रिटायरमेट ले सकते हैं।उनके इर्द गिर्द घूमने वाले अवसर वादी भी उनसे दूरी बनाने लगे थे।जो उनके घर कुछ दिनों तक रहे सन्नाटे के रूप में प्रमाणित भी होता है। लेकिन राज्य में हुई इन नियुक्तियों से साफ हो गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कांग्रेस संगठन में दबदबा अभी भी कायम है और आलाकमान का अभी भी उन पर विश्वास बरकरार है।क्योंकि प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष पद पर नियुक्ति के फैसले में रावत की राय बखूबी नजर आ रही है।वहीं नेता प्रतिपक्ष पद को लेकर राज्य के कांग्रेस प्रभारी देवेन्द्र यादव, प्रीतम सिंह का समर्थन कर रहे थे,लेकिन फिर भी हरीश रावत,अपने चेहते यशपाल आर्य को इस कुर्सी पर बैठाने में सफल रहे। हरीश रावत गुट प्रीतम सिंह की जगह पूर्व काबीना मंत्री यशपाल आर्य को नेता प्रतिपक्ष के पद पर नियुक्त करना चाहता था और इसके लिए वह लॉबिंग भी कर रहे थे।क्योंकि प्रीतम सिंह व उनके लोग बीते चुनाव में हरीश रावत व उनके समर्थकों को आगे बढ़ने से रोकते रहे।जिसका नुकसान हरीश रावत व उनके समर्थकों को उठाना पड़ा।वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कमान करण सिंह महारा को दी गई है।वह हरीश रावत की पत्नी रेणुका रावत के सगे भाई है,इस कारण उनके परिवार के माने जाते हैं।निराशाजनक चुनाव परिणाम आने के बाद अधिकतर लोग हरीश रावत के खिलाफ बयान दे रहे थे,या फिर उनका राजनीतिक खेल खत्म बताकर उपहास उड़ा रहे थे।वहीं कांग्रेस में हरीश रावत के दबदबे व प्रीतम सिंह के बैकफुट पर आने से हैरत का अनुभव कर रहे है। हालांकि विधानसभा में उपनेता भुवन कापड़ी को नियुक्त किया गया है। जो प्रीतम सिंह के करीबी माने जाते हैं। कापड़ी ने ही राज्य के सीएम पुष्कर सिंह धामी को खटीमा सीट पर शिकस्त दी थी।जो प्रीतम गुट के लिए संतोष की बात हो सकती है। उत्तराखंड में नेताप्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि कांग्रेस में नाराजगी वाली कोई बात नहीं है।पार्टी का कोई विधायक नाराज नहीं है।सभी विधायकों से लगातार मेरी बातचीत हो रही है।उन्होंने कहा कि हो सकता है कुछ विधायकों में किसी बात को लेकर नाराजगी हो लेकिन उनकी नाराजगी को दूर किया जाएगा। यशपाल आर्य ने कहा कि कांग्रेस के अंदर नेता प्रमुख नहीं होता, पार्टी प्रमुख होती है इसलिए सभी को एक साथ मिलकर चलने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि मैं पार्टी का एक छोटा सा कार्यकर्ता हूं और जहां भी मेरी जरूरत पड़ेगी मैं उसका निर्वहन बखूबी करूंगा।उन्होंने कहा कि हमारे बीच आपसी मतभेद हो सकते हैं लेकिन पार्टी के अंदर अपनी बात रखने के कई मंच हैं। सार्वजनिक मंच पर इस तरह की बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। इतना ही नहीं बीजेपी पर कटाक्ष किया और कहा कि जो विधायक बीजेपी में जाने की बात कह रहे हैं उन्हें ये सोच लेना चाहिए कि जिस पार्टी में सम्मान ही नहीं होता वहां जाकर क्या करेंगे?वही पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के करीबी हरीश धामी ने कहा कि वे स्वयं विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए उपयुक्त थे,लेकिन इस बार भी उनकी उपेक्षा की गयी।हरीश धामी ने कहा कि वह एक फौजी के परिवार में पैदा हुए हैं जिसने 1971 के भारत-पाक युद्ध में अपनी दोनों टांगें गंवा दी थीं। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के दौरान सैन्यकर्मियों के लिए सम्मान दर्शाया था। अब उसका क्या हुआ ? हांलांकि, उन्होंने कहा कि करण माहरा, यशपाल आर्य या भुवन कापडी के खिलाफ उनके मन में कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है।उन्हें गुस्सा है तो सिर्फ कांग्रेस प्रभारी देवेंद्र यादव से,जिन्होंने पक्षपात किया।कांग्रेस के नाराज विधायकों में हरीश धामी, मनोज तिवारी, मदन बिष्ट, मयूख महर, खुशाल सिंह, ममता राकेश, विक्रम नेगी, राजेंद्र भंडारी समेत कुछ और नेता हाई कमान के इस कदम से नाराज बताए जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ये विधायक जल्द ही गोपनीय बैठक कर कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं,हालांकि इसकी सम्भावना बहुत कम है,क्योंकि ये विधायक जिनकी नियुक्ति हुई उनसे नाराज नही है बल्कि नियुक्ति करने वाले से नाराज़ है और नियुक्ति तो एक बहाना है,असली मकसद सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस प्रभारी देवेंद्र यादव को उनके पद से हटवाने के लिए दबाव बनाना है।वर्ना किसी भी कांग्रेस विधायकों का पार्टी छोड़ने का कोई इरादा नही है। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

आज का इतिहास 24 अप्रैल

1743 आविष्कारक एडमंड कार्टराइट का जन्म हुआ.
1858 प्रसिद्ध क्रांतिकारी कुंवरसिंह की मृत्यु हुई.
1972 प्रसिद्ध चित्रकार जामिनी राय का निधन हुआ.
1974 हिन्दी के जाने माने कवि रामधारी सिंह दिनकर का निधन हुआ.
1986 लंदन में बम विस्फोट में ब्रिटिश एयरवेज कार्यालय और कई इमारतें नष्ट हो गई.
1989 मुस्लिम विद्रोहियों ने जलालाबाद शहर में गोलीबारी की, जिससे 54 व्यक्ति मारे गये.
1991 दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने राजनीतिक बंदियों की रिहाई के लिए अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस से किए गए समझौते का सम्मान करने की घोषणा की.
1992 ओपोक ने ईरान के अधिक तेल उत्पादन का आग्रह ठुकरा दिया.
1993 इंडियन एयरलाइंस विमान के अपहर्ता को कमांडो दस्ते ने मारकर 141 यात्रियों को मुक्त करा लिया.
2004 भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 117 अरब डॉलर का हुआ.

भारत-ब्रिटेन: नया धरातल

ब्रिटेन के कई प्रधानमंत्री और महारानी एलिजाबेथ भी भारत आ चुकी हैं लेकिन ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की यह यात्रा दोनों देशों के लिए जितनी सार्थक रही है, वह अपने आप में एतिहासिक उपलब्धि है। जॉनसन का साबरमती आश्रम जाना अपने आप में एक घटना है। जो आश्रम महात्मा गांधी ने बनाया था और जिस गांधी ने ब्रिटिश साम्राज्य की जड़ें हिला दी थीं, उस गांधी के आश्रम में कोई ब्रिटिश प्रधानमंत्री जाए और जमीन पर बैठकर चरखा चलाए, यह अपने आप में एक किस्सा है। चार किलोमीटर के रास्ते में जॉनसन का हजारों लोगों ने जैसा भाव-भीना स्वागत किया, वैसा उन्होंने पहले कभी देखा नहीं होगा। इसीलिए उन्होंने कह दिया कि उन्हें अमिताभ बच्चन और सचिन तेंदुलकर जैसा अनुभव हो रहा है। ये ऐसे पहले अंग्रेज प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने भारत आकर हिंदी में मोदी को कहा कि वे उनके 'खास दोस्त' हैं। अंग्रेजी भाषा के गुलाम भारत में आकर कोई अंग्रेज प्रधानमंत्री हिंदी में बोले, यह अपने आप में अजूबा है। इसका पहला कारण तो यह है कि विश्व राजनीति और व्यापार में भारत का प्रभाव बढ़ रहा है। दूसरा, आजकल की ब्रिटिश राजनीति में भारतीय मूल के नागरिकों का बढ़ता हुआ वर्चस्व है। अब क्योंकि ब्रिटेन यूरोपीय संघ से बाहर आ गया है, इसलिए भारत-जैसे बड़े राष्ट्रों के साथ उसे अपने राजनीतिक, व्यापारिक और सामरिक संबंध घनिष्ट भी बनाने हैं। यदि दिवाली तक दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो गया तो निश्चय ही कुछ वर्षों में भारत-ब्रिटेन व्यापार दुगुना हो सकता है। आस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ हुए भारत के मुक्त-व्यापार समझौते के सुपरिणाम अभी से दिखने लगे हैं। भारत-ब्रिटेन समझौता तो नए हजारों रोजगार पैदा कर सकता है। जॉनसन ने यह भी कहा है कि उनकी सरकार योग्य भारतीयों को वीज़ा देने में उदारता बरतेगी। जॉनसन और मोदी ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में भी सामरिक सहकार पर सहमति व्यक्त की है। जॉनसन ने ब्रिटेन द्वारा भारत को बेचे जानेवाले शस्त्रों, नई सामरिक तकनीकों और सामुद्रिक निगरानी की कई तकनीको को देने का भी वादा किया है। दोनों राष्ट्रों ने शस्त्र-निर्माण के संयुक्त कारखाने खोलने का भी संकल्प किया है। अफगान जनता को पहुंचाई जानेवाली भारतीय सहायता की जॉनसन ने प्रशंसा की और दोनों पक्षों ने अफगानिस्तान को आतंकवाद का अड्डा बनाने का विरोध किया। दोनों राष्ट्रों ने अफगानिस्तान में सर्वसमावेशी सरकार को जरुरी बताया। ऐसा लग रहा था कि इस दिल्ली-यात्रा के दौरान जॉनसन की कोशिश यह होगी कि वे भारत को अपनी तरफ झुकाएंगे याने उसे रूस की आलोचना के लिए मजबूर करेंगे लेकिन इसका उल्टा ही हुआ। जॉनसन ने भारत की यूक्रेन-नीति की सराहना की और मोदी की तारीफ में कई कसीदे काढ़ दिए। उन्होंने ब्रिटेन में सक्रिय कई खालिस्तानी और आतंकवादी संगठनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भी वायदा किया। उन्होंने भारत को खुश करने के लिए यह भी कह दिया कि वे सीमा-पार से आनेवाले आतंकवाद की कड़ी भर्त्सना करते हैं। ऐसा लगता है कि इस यात्रा के दौरान जो समझौते और संवाद हुए हैं, वे इन दोनों देशों को संबंधों के नए और ऊँचे धरातल पर पहुंचा देंगे। (लेखक-ईएमएस/डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

विश्व राजनीति का नया दौर

चीन के राष्ट्रपति शी चिन फिंग यूक्रेन के सवाल पर अब भी रूस का साथ दिए जा रहे हैं। वे रूस के हमले को हमला नहीं कह रहे हैं। उसे वे विवाद कहते हैं। यूक्रेन में हजारों लोग मारे गए और लाखों लोग देश छोड़कर भाग खड़े हुए लेकिन रूसी हमले को रोकने की कोशिश कोई राष्ट्र नहीं कर रहा है। चीन यदि भारत की तरह तटस्थ रहता तो भी माना-जाता कि वह अपने राष्ट्रहितों की रक्षा कर रहा है लेकिन उसने अब खुले-आम उन प्रतिबंधों की भी आलोचना शुरु कर दी है, जो नाटो देशों और अमेरिका ने रूस के विरुद्ध लगाए हैं। चीनी नेता शी ने कहा है कि ये प्रतिबंध फिजूल हैं। सारा मामला बातचीत से हल किया जाना चाहिए। यह बात तो तर्कसंगत है लेकिन चीन चुप क्यों है? वह पूतिन और बाइडन से बात क्यों नहीं करता? क्या वह इस लायक नहीं है कि वह मध्यस्थता कर सके? वह तमाशबीन क्यों बना हुआ है? उसका कारण यह भी हो सकता है कि यूक्रेन-हमले से चीन का फायदा ही फायदा है। रूस जितना ज्यादा कमजोर होगा, वह चीन की तरफ झुकता चला जाएगा। चीन आगे-आगे रहेगा और रूस पीछे-पीछे ! रूस की अर्थव्यवस्था इतनी कमजोर हो जाएगी कि मध्य एशिया और सुदूर एशिया में भी रूस का स्थान चीन ले लेगा। शीतयुद्ध के जमाने में अमेरिका के विरुद्ध सोवियत संघ की जो हैसियत थी, वह अब चीन की हो जाएगी। चीन ने संयुक्तराष्ट्र संघ और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रूस के पक्ष में वोट देकर पूतिन के हाथ मजबूत किए हैं ताकि इस मजबूती के भ्रमजाल में फंसकर पूतिन गल्तियों पर गल्तियां करते चले जाएं। चीन ने यूक्रेन में हो रहे अत्याचारों को भी पश्चिमी प्रचारतंत्र की मनगढ़ंत कहानियां कहकर रद्द कर दिया है। पूतिन का साथ देने में शी ने सभी सीमाएं लांघ दी हैं। वे एक पत्थर से दो शिकार कर रहे हैं। एक तरफ वे अमेरिका को सबक सिखा रहे हैं और दूसरी तरफ वे रूस को अपने मुकाबले दोयम दर्जे पर उतार रहे हैं। हो सकता है कि पूतिन ने जो यूक्रेन के साथ किया है, वैसा ही ताइवान के साथ करने का चीन का इरादा हो। अमेरिका ने जैसे झेलेंस्की को धोखा दे दिया, वैसे ही वह ताइवान को भी अधर में लटका सकता है। यदि अंतरराष्ट्रीय राजनीति इसी पगडंडी पर चलती रही तो विश्व के शक्ति-संतुलन में नए अध्याय का सूत्रपात हो जाएगा। द्वितीय महायुद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति का जो ढांचा बन गया था, उसे पहले सोवियत-विघटन ने प्रभावित किया और अब यूक्रेन पर यह रूसी हमला उसे एकदम नए स्वरुप में ढाल देगा। (लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

24 अप्रैल 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

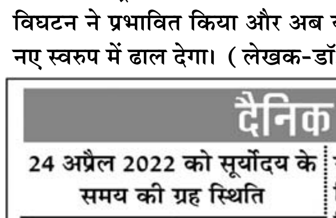

ग्रह स्थिति	
सूर्य	मेष में
चंद्र	मकर में
मंगल	कुंभ में
बुध	मेष में
गुरु	मीन में
शुक्र	कुंभ में
शनि	मकर में
राहु	मेष में
केतु	तुला में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	06.45 बजे से
मिथुन	08.43 बजे से
कर्क	10.57 बजे से
सिंह	13.13 बजे से
कन्या	15.25 बजे से
तुला	17.36 बजे से
वृश्चिक	19.50 ब.से
धनु	22.06 बजे से
मकर	00.12 बजे से
कुंभ	01.58 बजे से
मीन	03.31 बजे से
मेष	05.01 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 114 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि नवमी 02.53 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 17.52 बजे को समाप्त।
योग शुभ 23.03 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 15.39 बजे तदनन्तर गर 02.53 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 22.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12° 47'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871228
जूलियन दिन 2459693.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना रमजान **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया					रात का चौघड़िया				
उद्वेग	05.56	से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09	बजे तक
चर	07.23	से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18	बजे तक	चर	08.41	से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46	बजे तक	रोग	10.14	से	11.46	बजे तक
काल	11.46	से	01.14	बजे तक	काल	11.46	से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51	बजे तक
रोग	02.41	से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7265

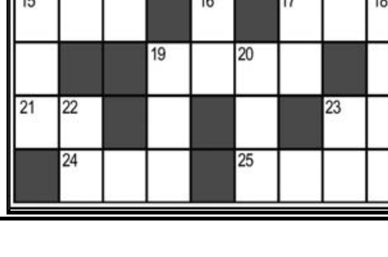

बाएँ से दाएँ

1.रुद्र,शिव,भैरव-4
4.आयुर्वेद के जनक-3
6.भीगा हुआ-2
7.ताला(अंग्रेजी-2)
9.शेविंग करना -4
11.योग्य,अनुरूप-3
12.अल्सर-3
13.ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14.नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15.नाप जोख करना-3
17.अनुमान लगाना-3
19.उदारता,बड़प्पन-4
21.गाथा,कहानी -2
23.जनकपुत्री-2
24.जिज्ञासा,उत्साह-3
25.राजा,सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1.इच्छुक,अलमस्त-4
2.मात,पराजय-2
3.बोलने का तरीका-3
4.अचंभित-3
5.आर्ट,हुनर-2
8.गुनाह,अपराध-3
9.अटक-अटक कर बोलना-4
10.सरूर,खुमार,नशा, घमंड-2
12.नजाकत-4
15.अभिनेता,कप्तान-3
16.आनंद बोधक शब्द-2
18.सम्राट,राजा-4
19.व्यंग,परिहास-3
20.मुलायम-3
22.परात,बड़ी थाली-2
23.हलवा,एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -7264 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

नीदरलैंड के जॉर्डन को हराकर प्रग्गानंधा की शानदार शुरुआत

ओस्लो (ईएमएस)। दुनिया का अपनी तरह का पहला शतरंज ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट ओस्लो स्पोर्ट्स कप विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन , भारत के प्रग्गानंधा , नीदरलैंड के अनीश गिरि और अजरबैजान के शकरियार ममेद्यारोव की शानदार जीत के साथ शुरू हुआ। कार्लसन, जो की मेल्टवाटर चैम्पियंस शतरंज टूर में जीत की हैट्रिक लेने का प्रयास कर रहे है, ने पोलिश नंबर 1 और विश्व कप विजेता जान डूडा को 2.5-0.5 के बड़े अंतर से पराजित करते हुए बेहतरीन शुरुआत की। कार्लसन नें पहला और तीसरा मुकाबला काले मोहरो से अपने नाम किया जबकि दूसरा मुकाबला उन्होने ड्रॉ खेला।

पहले राउंड के दूसरे हीरो रहे भारत के प्रग्गानंधा जिन्होंने अन्य अपने विरोधी नीदरलैंड के जोर्डन वान फॉरेस्ट को कार्लसन के ही अंदाज मे सिर्फ तीन मैच में 2.5-0.5 से पराजित किया,पहले और तीसरे मैच में काले मोहरो से प्रग्गानंधा जीते, जबकि दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा, मुकाबले में प्रग्गानंधा की एंडगेम की काबलियत उभर कर सामने आई। अन्य दो मुकाबलों में वियतनाम के ले कुयांग लिम को शाकरियार मामेद्यारोव से तो कनाडा के एरिक हेनसेन को नीदरलैंड के अनीश गिरि से चार मुकाबलों में 2.5-1.5 से हार का सामना करना पड़ा।

जोस बटलर बन सकते हैं आईपीएल के पहले एक हजारी, खतरे में विराट का छह साल पुराना रिकॉर्ड

मुंबई (ईएमएस)। एशेज के लिए जब इंग्लैंड की टीम चुनी गई तो उसमें जोस बटलर का नाम नहीं था। उस सीरीज में इंग्लैंड का क्या हाल हुआ यह बताने की जरूरत नहीं। ऑस्ट्रेलिया ने 4-1 से सीरीज जीती थी, लेकिन चार महीने बाद बटलर नए अवतार में हैं। बल्ला हल्ला बोल रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग में दनादन रन बरसा रहा है। कोई ऐसा नहीं नजर नहीं आ रहा, जो बटलर के हमले को रोक पाए।

बटलर बदल चुके हैं और हालात भी। गुलाबी जर्सी में वह सफेद गेंद पर ऐसा प्रहार कर रहे हैं कि विपक्षी कप्तानों के चेहरे की हवाइयां उड़ने लगी हैं। शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने शानदार शतक लगाया। इस सीजन में तीसरा। सात मुकाबलों में बटलर 491 रन बना चुके हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 81.83 का है। और अब ऐसा लग रहा है कि विराट कोहली का छह साल पुराना रिकॉर्ड खतरे में है।

कोहली ने उस साल 973 रन बनाए थे। तब से बल्लेबाजों के लिए इसे लांघना तो दूर इसके करीब तक पहुंच पाना सपना लग रहा है। कोई भी खिलाड़ी इसके आसपास नहीं पहुंचा है। लेकिन इस बार बटलर से उम्मीदें वाबस्ता हैं। बटलर के पास अभी कम से कम सात मैच और हैं और जिस लय और फॉर्म में वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, उसे देखकर कह सकते हैं कि कोहली का रिकॉर्ड खतरे में है।

राजस्थान रॉयल्स की टीम कुछ और मैच और जीत जाती है तो वह प्लेऑफ में भी पहुंच सकती हैं और फिर बटलर के पास एक-दो मौके और हो सकते हैं। बटलर को 482 रन और चाहिए कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए। और बटलर एक सेंचुरी और लगा देते हैं तो एक सीजन में चार शतक लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। राजस्थान की टीम तो यही चाहेगी कि बटलर यूं ही रन बरसाते रहें।

बटलर का फॉर्म टीम को जबर्दस्त शुरुआत दे रहा है। राजस्थान एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अभी तक के सभी मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए जीते हैं। ऐसे में जहां ज्यादातर टीमें रनों का पीछा करना चाहती हैं रॉयल्स दूसरी ही तरह से काम कर रही है। और इससे विपक्षी टीम की रणनीति भी बिगड़ सकती है।

हर किसी ने देखा, थर्ड अंपायर को दखल देना चाहिए था, नो-बॉल विवाद पर बोले ऋषभ पंत

मुंबई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 सीजन में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) टीम ने अपनी 5वीं जीत दर्ज की और पॉइंट्स टेबल में टॉप पर काबिज हो गई है। शुक्रवार को राजस्थान टीम ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को 15 रनों से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला रोमांचक होने के साथ-साथ काफी विवादित भी रहा। दरअसल, मैच में 223 रन के टारगेट का पीछा करते हुए दिल्ली टीम को आखिरी ओवर में जीत के लिए 36 रनों की दरकार थी।

तभी ओबेड मैकॉय के ओवर की शुरुआती 3 बॉल पर रोवमैन पावेल ने तीन छक्के जमा दिए। यहीं तीसरी बॉल पर डगआउट में बैठे ऋषभ पंत ने विरोध करते हुए इसे कमर से ऊपर वाली नो-बॉल बताया जबकि अंपायर ने ऐसा कोई फैसला नहीं दिया था। गुस्साए पंत ने बल्लेबाजों को वापस बुलाने का इशारा कर दिया था। इस विवाद पर मैच के बाद ऋषभ पंत ने सफाई दी।

उन्होंने कहा आखिरी ओवर में काफी कुछ उठापटक हुई। मुझे लगता है कि राजस्थान टीम ने शानदार गेंदबाजी की। आखिर में पावेल ने हमें जीतने का एक मौका जरूर दिया था। मेरा मानना है कि वह नो-बॉल हमारे लिए अमूल्य हो सकती थी, लेकिन यह सब हमारे कंट्रोल में नहीं है। हां, इससे निराशा जरूर हुई, लेकिन हम इस पर ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। पंत ने कहा हर कोई निराश था। सभी को पता था कि यह काफी करीबी मामला था। मैदान पर हर किसी ने यह देखा। मुझे लगता है कि थर्ड अंपायर को इसमें दखल देना चाहिए था और बताना था कि यह नो-बॉल ही है। जो कुछ हुआ वह गलत था (प्रवीण आमरे को मैदान में भेजना), लेकिन हमारे साथ भी जो कुछ हुआ, वह भी गलत ही था। इसी के चलते गरमागर्मी में सबकुछ हुआ।

उन्होंने कहा यह गलती दोनों तरफ से मान सकते हैं। यह निराशाजनक रहा, क्योंकि हमने लीग में कुछ अच्छी अंपायरिंग भी देखी हैं। जब विपक्षी टीम 200 से ज्यादा का स्कोर बनाए और आप करीब आकर हारें, तो निराशा होती है। हम और भी बेहतर गेंदबाजी कर सकते थे। अब हम अगले मैच की तैयारी को लेकर सोच रहे हैं। मैच में राजस्थान रॉयल्स ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट पर 222 रन बनाए। ओपनर जोस बटलर ने 65 बॉल पर 116 रन जड़ दिए। जबकि देवदत्त पडिक्कल ने 35 बॉल पर 54 और कप्तान संजू सैमसन ने 19 बॉल पर 46 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 8 विकेट पर 207 रन ही बना सकी और 15 रनों से मैच गंवा दिया। कप्तान पंत ने 24 बॉल पर 44 रन बनाए। जबकि ललित यादव ने 24 बॉल पर 37 और रोवमैन ने 15 बॉल पर 36 रन जड़े।

पोलार्ड , मोइन और सैम्स ने किया निराश

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 15 वें सत्र में महंगे दामों पर रखे गये विदेशी खिलाड़ी अब तक फ्लॉप रहे हैं। इसमें वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड से लेकर इंग्लैंड के मोईन अली और ऑस्ट्रेलिया के डेनियल सैम्स जैसे खिलाड़ी भी हैं। ऐसे में अब आने वाले मैचों में इन खिलाड़ियों को अपने चयन को सही साबित करना होगा।

कीरोन पोलार्ड :

कीरोन पोलार्ड विश्व के बेहतरीन ऑलराउंडर में शामिल हैं। इस खिलाड़ी को मुंबई इंडियंस ने 6 करोड़ रुपये में रखा था। पोलार्ड ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी ही बल पर टीम को जीत दिला सकते हैं पर इस सत्र में वह अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। पोलार्ड आईपीएल 2022 के 6 मैचों में कुल 82 रन ही बना पाये हैं। बल्लेबाजी के साथ ही वह गेंदबाजी में भी अपना असर नहीं दिखा पाये हैं।

डेनियल सैम्स :

ऑस्ट्रेलिया के 29 वर्षीय तेज गेंदबाज डेनियल सैम्स ने घरेलू क्रिकेट लीग बीबीएल में शानदार प्रदर्शन किया था जिसके आधार पर उन्हें आईपीएल में जगह मिली थी पर वह यहां नाकाम साबित हुए। सैम्स को मुंबई इंडियंस ने 2.60 करोड़ रुपये में खरीदा था। कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ इस गेंदबाज ने एक ही ओवर में 35 रन दे दिये। यह आईपीएल के इतिहास में दूसरा सबसे महंगा ओवर था। इसके बाद से ही उन्हें चार मैचों में जगह नहीं मिली। तीन मैचों में भी वह एक ही विकेट ले पाये हैं। बल्लेबाजी में वह दो अंकों तक भी नहीं पहुंचे।

मोईन अली :

इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली को चेन्नई सुपरकिंग्स ने 8 करोड़ रुपये में बरकरार खा था पर इस क्रिकेटर ने टीम को निराश ही किया। इस सत्र में मोईन ने 5 मैचों में 21.50 की औसत से 87 रन ही बनाये हैं। इसके अलावा गेंदबाजी में भी वह अपना खाता नहीं खोल पाये। चेन्नई ने मोईन अली को दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज फाफ डुप्लेसी की जगह शामिल किया था पर यह उसके लिए फायदेमंद नहीं रहा है।

सात हार के बाद आठवीं जीत के लिए लखनऊ के खिलाफ आज उतरेगी मुंबई इंडियन्स

मुंबई (ईएमएस)। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर दिख रही मुंबई इंडियन्स की टीम को अगर अपनी हार का सिलसिला तोड़ना है, तब उस रविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मुंबई ने अभी तक सत्र में अपने सभी सात मैच हारे हैं। पांच बार के चैंपियन के लिये अब तक कुछ भी अनुकूल नहीं रहा है और वह अंकतालिका में अंतिम स्थान पर है। अब कोई चमत्कार ही रोहित की टीम को प्लेऑफ में पहुंचा पाएगा।

दूसरी तरफ लखनऊ की टीम अच्छी लय में दिख रही है। टीम ने सात मैचों में से चार में जीत दर्ज की है लेकिन पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से 18 रन से हार का सामना करना पड़ा था। लखनऊ ने हालांकि पहले चरण के मैच में मुंबई को 18 रन से हराया था, जिससे वह बढ़े मनोबल के साथ मैदान पर उतरेगा। मुंबई इंडियंस ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन वह इकाई के रूप में प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। मुंबई किसी एक सत्र में पहले सात मैच गंवाने वाली पहली टीम बन गई है। कप्तान रोहित शर्मा को पता नहीं चल पा रहा है कि आखिर गड़बड़ी कहां हो रही है। रोहित ने टीम के पिछले मैच के बाद कहा था, किसी पर उंगली उठाना मुश्किल है, लेकिन हम मैच में अच्छी शुरुआत नहीं कर रहे हैं। अगर आप जल्दी विकेट गंवाते हैं, तब उसका नुकसान होता है।

मुंबई के लचर प्रदर्शन का एक कारण सलामी बल्लेबाज रोहित और इशान किशन की खराब फॉर्म है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दोनों खाता नहीं खोल सके थे। रोहित ने टूर्नामेंट में अब तक 114 और इशान ने 191 रन बनाए हैं। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव ने कुछ अच्छी पारियां खेली हैं, जबकि युवा डेवाल्ड ब्रेविस ने भी कुछ मैचों में चमक बिखेरी लेकिन उनमें धैर्य की कमी लगी। मध्यक्रम के सभी बल्लेबाजों को मिलकर अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड अभी तक केवल 96 रन बनाकर टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

गेंदबाजी में मुंबई का पूरा दारोमदार जसप्रीत बुमराह पर टिका है। लेकिन बाकी गेंदबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। डेनियल सैम्स ने चेन्नई के खिलाफ चार विकेट लेकर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन जयदेव उनादकट अंतिम ओवर में 17 रन का बचाव नहीं कर सके। टायमल मिल्स, बासिल थम्पी और मुख्य स्पिनर मुरुगन अश्विन भी रनों पर अंकुश नहीं लगा सके हैं। ऑस्ट्रेलिया के रिले मेरेडिथ और ऋतिक शौकीन ने पिछले मैच में अच्छा खेल दिखाया लेकिन मुंबई को वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ की मजबूत बल्लेबाजी पर काबू पाने के लिये अतिरिक्त प्रयास करना होगा।

लखनऊ की बल्लेबाजी की अगुवाई भी कप्तान केएल राहुल (265 रन) कर रहे हैं। उन्होंने 16 अप्रैल को दोनों टीमों के बीच खेले गए पिछले मैच 60 गेंदों पर नाबाद 103 रन की पारी खेली थी। टीम के दूसरे सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (215 रन) भी अच्छी लय में हैं। आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच में क्रुणाल पंडया शीर्ष स्कोरर थे, लेकिन आयुष बडोनी और दीपक हुड्डा को अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की जरूरत है। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज आवेश खान और स्पिनर रवि बिश्नोई अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि टीम के पास जैसन होल्डर और मार्कस स्टोइनिस के रूप में दो उपयोगी ऑलराउंडर हैं।

भारत और अमेरिका संबंध आगे बढ़ने के साथ मजबूत हुए: वित्त मंत्री

वाशिगटन (ईएमएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध आगे बढ़ने के साथ मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध के बाद वह अवसरों की और खिड़कियां खुलते हुए देख रही हैं। सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में हिस्सा लेने यहां आई थीं। इस दौरान उन्होंने कई द्विपक्षीय बैठकें कीं और कई बहुपक्षीय बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने बाइडन प्रशासन के कई शीर्ष अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंध को लेकर एक सवाल पर कहा ?कि ऐसी समझ बनी है कि अमेरिका के साथ भारत के संबंध असल में आगे बढ़े हैं। यह मजबूत हुए हैं। इस पर कोई भी सवाल नहीं उठा सकता। लेकिन यह समझ भी है कि न केवल रक्षा उपकरणों के लिए रूस पर पुरानी निर्भरता है, बल्कि भारत के उसके साथ कई दशकों के संबंधों में विरासत के मुद्दे भी हैं। सीतारमण ने अपनी यात्रा के समापन पर वाशिगटन डीसी में भारतीय पत्रकारों के एक समूह से बातचीत में कहा ?कि मैं अधिक से अधिक अवसरों को पैदा होते हुए देखती हूं, बजाय यह कहने के अमेरिका एक हाथ की दूरी बरत रहा है कि आपने रूस पर जो रुख अपनाया है, उससे नहीं लगता कि आप हमारे नजदीक आ रहे हैं। नहीं। वित्त मंत्री ने हिद-प्रशांत क्षेत्र में घटनाक्रम और हाल में संपन्न टू प्लस टू मंत्री स्तरीय वार्ता के बारे में बताया। उन्होंने कहा ?कि हिद प्रशांत आर्थिक संबंध की रूपरेखा पर जो बातचीत चल रही है, वह भी काफी जोर पकड़ रही है और प्रधानमंत्री ने कहा है कि वह इस पर विचार करेंगे।

सतीश मोरे/23अप्रेल

आरबीआई ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर लगाया 36 लाख का जुर्माना

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 36 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा ?कि बैंक पर यह कार्रवाई नियामकीय अनुपालन में कमी के आधार पर की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने 18 अप्रैल 2022 को जारी किए गए एक आदेश में बैंक पर मॉनेटरी पैनल्टी लगाई है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह जुर्माना बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 के प्रावधानों के तहत लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा ?कि यह कार्रवाई नियामकीय अनुपालन में लापरवाही बरतने को लेकर है और इसका बैंक का उसके ग्राहकों के साथ होने वाले लेनदेन और समझौतों के साथ कोई लेना-देना नहीं है। बयान में आगे कहा गया है कि रिजर्व बैंक ने 31 मार्च 2020 की वित्तीय स्थिति को लेकर एक निरीक्षण किया था, जिसमें इन निर्देशों का पालन न करने की बात सामने आई। केंद्रीय बैंक की जांच में सामने आया था कि बैंक ने उपयुक्त निर्देशों का पालन नहीं किया है। रबीआई ने कहा कि उसने बैंक को एक नोटिस भेजा था, जिसमें उसे सुझाव दिया गया था कि वह इस बात का जवाब दे कि बताए गए निर्देशों के साथ अनुपालन नहीं कर पाने के लिए उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। नोटिस पर बैंक के जवाब और सुनवाई के बाद आरबीआई ने मौद्रिक जुर्माना लगाया।

विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 603.694 अरब डॉलर पर

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा ?कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 31.1 करोड़ डॉलर घटकर 603.694 अरब डॉलर हो गया है। इससे पहले आठ अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.471 अरब डॉलर घटकर 604.004 अरब डॉलर था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) घटने की वजह से हुई जो कि कुल मुद्राभंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। एफसीए 87.7 करोड़ डॉलर घटकर 536.768 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखी जाने वाली विदेशी मुद्रा संपत्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 62.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 43.145 अरब डॉलर पहुंच गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.694 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे गए देश का मुद्रा भंडार 1.6 करोड़ डॉलर घटकर 5.086 अरब डॉलर पर आ गया।

इंडोनेशिया खाद्य तेल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाएगा

जकार्ता (ईएमएस)। इंडोनेशिया घरेलू कमी को कम करने और बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए खाद्य तेल और उसके कच्चे माल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाएगा। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने यह घोषणा की। इससे पहले राजधानी में सैकड़ों लोगों ने खाद्य वस्तुओं की महंगाई के विरोध में प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध अगले गुरुवार से लागू होंगे और अनिश्चित समय तक जारी रहेंगे। विडोडो ने एक बयान में कहा ?कि मैं इस नीति के कार्यान्वयन की निगरानी और मूल्यांकन जारी रखूंगा, ताकि देश में खाद्य तेल की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में और वाजिब कीमत पर बनी रहे। राही परियोजना को 2019 में शुरू किया गया था। इस परियोजना का लक्ष्य शहर में 12,000 से अधिक पुराने डीजल तिपहिया वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहन में बदलना है।

प्लास्टिक उपयोग मामले में पूरी तरह से तटस्थ बनेगी जोमैटो

मुंबई (ईएमएस)। जोमैटो ने अप्रैल 2022 से प्लास्टिक उपयोग मामले में शत प्रतिशत तटस्थ होने की घोषणा की है। इसके तहत कंपनी जितना प्लास्टिक उपयोग करेगी, उससे कहीं ज्यादा का पुनर्चक्रण करेगी। कंपनी ने कहा कि इसके अलावा कंपनी ने अगले तीन साल में 10 करोड़ से अधिक डिलिवरी पर्यावरण अनुकूल डिब्बे में करने का लक्ष्य रखा है। जोमैटो के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल ने कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना प्रकृति में स्वयं घुल-मिल जाने वाले और अन्य गैर-प्लास्टिक विकल्पों को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन्हें बढ़ावा देकर इसतरह के उत्पादों को अधिक किफायती तथा उपलब्ध बनाया जा सकता है।गोयल ने लिखा, अब से, जोमैटो के जरिए आप जो भी खाना ऑर्डर करते हैं, वह 100 फीसदी प्लास्टिक तटस्थ होगा। इसका मतलब है कि हम स्वेच्छा से आपके ऑर्डर की पैकिंग में इस्तेमाल होने प्लास्टिक से ज्यादा प्लास्टिक का पुनर्चक्रण करने वाले हैं। गोयल ने कहा कि इसके लिए कंपनी ने अत्याधुनिक आईएसओ-प्रमाणित प्लास्टिक कचरा प्रबंधन संगठनों के साथ काम करना शुरू कर दिया है।उन्होंने कहा कि जोमैटो सभी प्रकार के व्यंजनों के लिए पर्यावरण अनुकूल पैकेट विकसित करने पर भी जोर दे रही है।

चीनी मिलें नई डिस्टिलरी स्थापित करने का छह महीने में दे सकती हैं प्रस्ताव

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने कहा कि उसने चीनी मिलों के लिए नई डिस्टिलरी स्थापित करने या मौजूदा संयंत्रों के विस्तार को लेकर रियायती ब्याज दर पर ऋण लेने के लिए नए प्रस्ताव देने हेतु अक्टूबर तक का समय दिया है। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण कर चुके एवं पर्यावरणीय मंजूरी ले चुके गंभीर प्रस्तावक ही छह महीने के भीतर एथेनॉल क्षमता स्थापित करने के नए प्रस्ताव रख सकते हैं। इस बारे में एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा ?कि छह महीने की यह अवधि 21 अप्रैल से 22 अक्टूबर 2022 तक रहेगी खाद्य मंत्रालय के अनुसार इस निर्णय से चीनी मिलों को नई डिस्टिलरी स्थापित करने या अपनी मौजूदा डिस्टिलरी का विस्तार करने में सुविधा होगी और इस तरह अतिरिक्त गन्ना या चीनी को एथनॉल में बदलने में मदद मिलेगी। नई अनाज-आधारित डिस्टिलरी उत्तर-पूर्वी राज्यों, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार एवं मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में लगेंगी। इससे एथनॉल के विस्तारित उत्पादन में मदद मिलेगी। सरकार ने वर्ष 2018 से चीनी मिलों एवं डिस्टिलरी को आसान कर्ज देने के लिए एक योजना लागू की हुई है जिसका उद्देश्य एथनॉल उत्पादन और इसकी आपूर्ति को एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत बढ़ाना है। इससे चीनी मिलों को किसानों का गन्ना मूल्य बकाया चुकाने में सक्षम बनाया जा सकेगा। सरकार ने वर्ष 2022 तक पेट्रोल के साथ ईंधन-ग्रेड एथनॉल मिश्रण की सीमा 10 प्रतिशत और वर्ष 2025 तक 20 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया है। खाद्य मंत्रालय ने कहा ?कि वर्ष 2025 तक 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने के लिए एथनॉल उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर लगभग 1700 करोड़ लीटर करने की जरूरत है। फिलहाल देश की कुल एथनॉल उत्पादन क्षमता 849 करोड़ लीटर है।

रुस-यूक्रेन जंग के बीच 26 अप्रैल को पुतिन के साथ बैठक करेंगे संयुक्त राष्ट्र के महासचिव

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को दो महीने से ज्यादा समय बीत गया है। रूसी सैनिक लगातार अपनी सैन्य कार्रवाई को तेज कर रहे हैं। इसके अलावा सैन्य कार्रवाई के चलते रूस को अमेरिका सहित कई देशों के प्रतिबंधों का सामना भी करना पड़ रहा है। इसी बीच खबर है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की बैठक होने वाली है। यह बैठक अगले सप्ताह होगी। जिसमें यूक्रेन संकट पर विस्तृत वार्ता होगी है।

यूक्रेन के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को लेकर पूरी दुनिया की आलोचना झेल रहे रूस के लिए यह बैठक काफी अहम होगी। बता दें कि यूक्रेन पर रूसी सैन्य कार्रवाई के दो महीने बीत जाने के बाद संयुक्त राष्ट्र के महासचिव 26 अप्रैल को मॉस्को का दौरा करने वाले हैं। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन और एंटोनियो गुटेरेस की मुलाकात होगी।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने ट्वीट कर बताया कि अगले सप्ताह मैं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन में राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करूंगा। हमें लोगों की जान बचाने, मानवीय संकट को खत्म करने और यूक्रेन में शांति कायम करने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। बता दें कि रूस की यात्रा के बाद एंटोनियो गुटेरेस यूक्रेन जाएंगे और दोनों देशों के बीच चल रहे युद्ध को तत्काल प्रभाव से समाप्त कराने का प्रयास करने वाले है। एंटोनियो गुटेरेस 28 अप्रैल को कीव जाएंगे। जहां पर विदेश मंत्री दमित्रो कुलेबा के साथ बैठक के बाद राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात करने वाले हैं।

कर्ज तनाव से जूझ रहे देशों के बचाव में आने की जरुरतः सीतारमण

वाशिंगटन (ईएमएस)।मोदी सरकार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना महामारी और हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रम से पैदा हुई अनिश्चितता के कारण कर्ज के तनाव का सामना कर रहे देशों को बचाने की जरूरत पर बल दिया है। सीतारमण ने कहा कि भारत भू-राजनीतिक तनाव के बीच बढ़ती अनिश्चितता के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार को उत्पन्न जोखिमों को लेकर चिंतित है।अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)-विश्व बैंक बैठक 2022' में भाग लेने के लिए अमेरिका की यात्रा पर आईं सीतारमण ने विश्व बैंक के प्रमुख से कहा कि बहुपक्षवाद अब अधिक महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि इस समय दुनिया असाधारण अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा, कोरोना महामारी और हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण विश्व बैंक को ऋण तनाव का सामना करने वाले देशों के बचाव के वास्ते आगे आने की जरूरत है। खासकर श्रीलंका पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, जो अभूतपूर्व आर्थिक स्थिति का सामना करना रहा है।''

भारत का पड़ोसी देश श्रीलंका इनदिनों विदेशी मुद्रा की कमी और भुगतान संतुलन संकट के कारण अपने अब तक के सबसे खराब आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश का आर्थिक संकट आंशिक रूप से विदेशी मुद्रा की कमी के कारण उत्पन्न हुआ है। इसकारण श्रीलंका मुख्य खाद्य पदार्थों और ईंधन के आयात के लिए भुगतान नहीं कर पा रहा। इससे चीजों की किल्लत होने के साथ उनकी कीमतें बढ़ गई हैं। सीतारमण ने कहा कि भारत की कोरोना के खिलाफ प्रतिक्रिया ने जीवन और आजीविका बचाने के दोहरे लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक चला रहा है, जिसमें 1.85 अरब से अधिक टीके लगे हैं। उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष के विश्व अर्थव्यवस्था और विशेष रूप से भारत पर प्रभाव, विश्व बैंक समूह की अर्थव्यवस्था और भूमिका, एकल उधार सीमा और अन्य देशों से गारंटी की संभावना का पता लगाने और और भारत की जी20 अध्यक्षता के बारे में चर्चा की।

सीतारमण ने कहा कि भारत को अपने राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन और गति शक्ति कार्यक्रमों के लिए जरूरी निवेश जुटाने के लिए विश्व बैंक से निरंतर समर्थन की उम्मीद है। वित्तमंत्री ने विकास समिति सम्मेलन की 105वीं बैठक में हिस्सा लेकर कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत और सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक रही है जो भारत के लचीलेपन एवं मजबूत सुधार को दर्शाती है। आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार, एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के 8-8.5 प्रतिशत से बढ़ने की उम्मीद है।

अब अमेरिकी सांसद ने अलापा कश्मीर में मानवाधिकार हनन का राग

वॉशिंगटन (ईएमएस)। कश्मीर पर पाकिस्तान के घड़ियाली आंसू बहाने के बाद एक प्रमुख अमेरिकी सांसद ने घाटी में मानवाधिकार के हालात को लेकर चिंता जाहिर की है। सांसद एंडी लेविन ने कहा कि अमेरिकी सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिये कि वह भारत जैसे लोकतंत्र से बेहतर होने की उम्मीद करता है। विदेश मामलों की समिति और एशिया-प्रशांत एवं अप्रसार मामले की उपसमिति की सदस्य एंडी लेविन ने यह बयान वर्चुअल सम्मेलन में दिया, जिसे भारतीय अमेरिकी मुस्लिम परिषद और 16 अन्य समूहों ने बुधवार को आयोजित किया था। डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद ने भारत में मानवाधिकारों के उल्लंघन पर अमेरिका को स्पष्ट रुख अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका को इस बात का ख्याल रखना चाहिये कि कश्मीर में क्या होता है, हम भारत जैसे लोकतांत्रिक देशों से बेहतर की उम्मीद करते हैं। भारत ने देश में नागरिक स्वतंत्रता के हनन संबंधी आरोपों को लेकर विदेशी सरकारों, सांसदों और मानवाधिकार समूहों द्वारा की जा रही आलोचना को बार-बार खारिज किया है। सरकार ने जोर देकर कहा है कि भारत में सभी के अधिकारों की रक्षा के लिए अच्छी तरह से स्थापित लोकतांत्रिक प्रथाएं और मजबूत संस्थान हैं।

भारत सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि भारतीय संविधान मानव अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कानूनों के तहत पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करता है। भारतीय संसद ने पांच अगस्त, 2019 को राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करते हुए जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द कर दिया था। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि संविधान हमेशा से ही संप्रभुता का मामला था और रहेगा। भारत ने साफ कर दिया है कि अनुच्छेद 370 से संबंधित घटनाक्रम पूरी तरह से भारत का आंतरिक मामला है।

कितनी बड़ी ताकत हो, वहां भारत माता की शीश को नहीं झुका सकती : राजनाथ सिंह

गुवाहाटी (ईएमएस)। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के वीरों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने असम पहुंचे। इस दौरान रक्षा मंत्री ने 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में जान गंवाने वाले जाबांजों को याद करते हुए उनके शौर्य को सराहा। रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में विरोधी दल भी होते हैं। मैं विरोधी दलों पर आरोप लगाना नहीं चाहता लेकिन कुछ लोग हैं, जो कभी कुछ ऐसी बात बोल देते हैं जिससे लगता है कि हमारे सेना के शौर्य और पराक्रम को छोटा करके देखा जा रहा है, तब मुझे ठेस पहुंचती है।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि इस बार इंडो-चाइना के टकराव के समय मैंने अपने सेना के शौर्य और पराक्रम को देखा और मेरा भरोसा पक्का हो गया कि दुनिया की कितनी बड़ी ताकत हो, वहां भारत माता की शीश को नहीं झुका सकती है। असम के राज्यपाल जगदीश मुखी और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

सिंह ने कहा कि आप सब जानते ही है कि पिछले साल ही हमने 1971 के युद्ध का 'स्वर्णिम विजय वर्ष' मनाया।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा, हम चाहते हैं भारत रुस पर निर्भर नहीं रहे

वाशिंगटन (ईएमएस)। रुस-यूक्रेन जंग के बीच वरिष्ठ अमेरिका अधिकारियों ने फिर कहा है कि हम चाहते हैं, कि भारत रूस पर निर्भर नहीं रहे। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने कहा है, कि हम भारत के साथ-साथ अन्य देशों के साथ बहुत स्पष्ट हैं कि हम उन्हें रक्षा जरूरतों के लिए रूस पर निर्भर नहीं देखना चाहते हैं। हम इसके बारे में ईमानदारी से इसका विरोध करते हैं। किर्बी ने कहा कि हम भारत के साथ रक्षा साझेदारी को भी महत्व देते हैं। हम साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीके देख रहे हैं। भारत इस क्षेत्र में सुरक्षा का प्रदाता है, हम इस महत्व देते हैं। बता दें कि यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से कई अमेरिकी अधिकारियों ने इस तरह की टिप्पणी की है।

अमेरिकी विदेश विभाग के काउंसलर ने कहा है कि बाइडन सरकार भारत के साथ काम करने के लिए बहुत उत्सुकहै, क्योंकि यह अपनी रक्षा क्षमताओं और रक्षा आपूर्तिकर्ताओं में विविधता लाता है। अमीकी उप विदेश मंत्री वेंडी शेरमेन ने कहा है कि अमेरिका भारत के साथ रूसी हथियारों पर अपनी पारंपरिक निर्भरता को कम करने में मदद करने के लिए काम करेगा। शेरमेन ने कहा है कि भारत चीन को लेकर बहुत चिंतित हैं।

चीन ने भारतीय छात्रों को अब तक नहीं दी लौटने की अनुमति, श्रीलंका, पाकिस्तान व दक्षिण कोरियाई छात्रों को बुलाया

बीजिंग (ईएमएस)। चीन ने कोरोना महामारी के बाद अभी तक भारतीय छात्रों को वापस लौटने की इजाजत नहीं दी है। इस बीच श्रीलंका के अधिकारियों ने बताया है कि चीन ने उनके देश के कुछ छात्रों को दो साल के अंतराल के बाद वापस लौटकर पढ़ाई शुरू करने की इजाजत दे दी है। चीन ने कुछ ऐसा ही कदम पाकिस्तान और दक्षिण कोरियाई छात्रों के लिए भी उठाए हैं, पर भारतीय छात्रों को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है।

माना जा रहा है कि लद्दाख में जारी सीमा विवाद का बदला लेने के लिए चीन भारतीय छात्रों की वापसी में जान बूझकर रोड़े अटका रहा है। भारत सहित दुनियाभर के कई देशों ने बार-बार चीन से अपने देश के छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के लिए अनुमति देने का आग्रह किया है। चीन ने कोरोना का बहाना बनाते हुए अभी भी चुनिंदा देशों के विद्यार्थियों को ही अपने देश आने की अनुमति दी है। चीन ने भारतीय छात्रों को अभी भी यह नहीं बताया है कि वे अपनी बची पढ़ाई पूरी करने के लिए कब उनके देश वापस लौट सकते हैं।

चीन में श्रीलंकाई दूतावास ने गुरुवार को बताया कि कोलंबो में चीनी दूतावास ने चीन लौटने के लिए छात्रों के दो समूहों को अंतिम मंजूरी दे दी है। एक बयान में कहा गया है कि बाकी बचे छात्रों को चीन लौटने के लिए तैयार किया जा रहा है। दूतावास ने कहा कि उनके देश का प्रयास है कि श्रीलंका का हर छात्र चीन वापस जाकर अपनी पढ़ाई पूरी करे।

चीन में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में भारतीयों की संख्या सबसे ज्यादा है। एक अनुमान के मुताबिक, कोरोन महामारी से पहले लगभग 20000 भारतीय छात्र चीन के अलग-अलग विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे थे। कोरोना फैलने के बाद चीन ने इस छात्रों को भारत भेज दिया था, जिसके दो साल बाद भी इन्हें अपनी वापसी का इंतजार है। चीनी अधिकारियों ने फरवरी में भारतीय अधिकारियों से कहा कि वे हजारों भारतीय मेडिकल छात्रों के लिए जल्दी वापसी पर काम कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने कोई टाइम-टेबल नहीं दिया। बीजिंग में भारतीय दूतावास ने तब कहा था कि चीन के विदेश मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि वे भारतीय छात्रों सहित सभी विदेशी छात्रों के कल्याण के बारे में चिंतित हैं।

उन्होंने यह भी कहा था कि मंत्रालय चीन में सभी विदेशी छात्रों की जल्द वापसी पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वे समन्वित तरीके से और इस मामले में संबंधित देश के दूतावास के साथ संपर्क जारी रखेंगे। वहीं, भारतीय दूतावास ने पिछले दो साल में संबंधित चीनी अदिकारियों के सामने छात्रों की वापसी के मुद्दे को लगातार उठाया है।

यूक्रेन पर हमले के बावजूद जी-20 का सदस्य बना रहेगा रूस, सदस्यता को कोई खतरा नहीं

वाशिंगटन (ईएमएस)। पिछली बार रूस ने जब 2014 में यूक्रेन पर आक्रमण किया था तो इससे गुस्साए विश्व नेताओं ने उसे आठ औद्योगिक देशों के समूह से बाहर कर दिया था और तुरंत सात देशों के समूह के रूप में इसका नया नाम रख दिया था लेकिन इस बार जी-20 में उसकी सदस्यता जाने के आसार नहीं दिख रहे हैं। आठ साल बाद जी-7 अब भी सात देशों का समूह है जो व्यापार, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा जैसे बड़े मुद्दों पर बातचीत करने के लिए बैठक करता है।

पिछले सप्ताह जब विश्व के नेता वाशिंगटन में बैठक के लिए जुटे तब संकेत मिले थे कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बावजूद जी-20 में उसकी सदस्यता बनी हुई है। इस बैठक में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, जी-7 और 20 देशों के वृहद समूह के अधिकारी शामिल हुए थे। रूस को पश्चिमी देशों द्वारा अलग-थलग करने के बावजूद वह तब तक जी-20 का सदस्य बना रहेगा जब कि सदस्य देश इस सहमति पर न पहुंचे कि उसे इससे बाहर करना चाहिए।

चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका समेत कई देशों ने साफ कर दिया है कि वे जी-20 में रूस की सदस्यता का समर्थन करेंगे। अब सवाल यह है कि रूस कई देशों के नकारात्मक रुख के बावजूद इस समूह में क्यों बने रहना चाहता है। इसकी झलक पिछले हफ्ते दिखी थी जब रूस ने आईएमएफ की अहम सलाहकार समिति को यूक्रेन पर उसके हमले की निंदा करने वाला परिपत्र जारी करने से रोक दिया था।

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जिवा से जब रूस को जी-20 से बाहर करने की संभावना के बारे में पूछा गया तो वह इस सवाल से बचती नजर आई। उन्होंने कहा उन सवालों की सूची बनाइए जो कोई देश खुद से हल नहीं कर सकते हैं। जाहिर है कि सहयोग जारी रहना चाहिए। विश्व बैंक ने कहा है कि उसने फरवरी में हमले के बाद से रूस तथा उसके सहयोगी बेलारूस में अपने सभी कार्यक्रम रोक दिए हैं और 2014 के बाद से रूस में किसी नए निवेश को मंजूरी नहीं दी है।

आईएमएफ ने कहा कि उसने दशकों से रूस को कोई कर्ज नहीं दिया है और वहां किसी कार्यक्रम के लिए सहयोग नहीं दिया है। आईएमएफ की बैठक में विवाद उन समस्याओं को उजागर करता है, जिसका सरकार के नेता नवंबर में इंडोनेशिया में सामना कर सकते हैं जब जी-20 नेता बाली में एकत्रित होंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस को समूह से बाहर निकालने का आह्वान किया है लेकिन अमेरिका ने अभी यह नहीं बताया कि अगर रूस इस बैठक में भाग लेता है तो क्या बाइडन इसका बहिष्कार करेंगे।

जी-20 के सदस्य अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, ब्रिटेन, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, अमेरिका और यूरोपीय संघ हैं। स्पेन स्थाई मेहमान के तौर पर आमंत्रित है। रूस की सदस्यता के सबसे बड़े आलोचक अमेरिका और कनाडा हैं। वहीं, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने पिछले महीने कहा था कि रूस जी-20 का एक महत्वपूर्ण सदस्य है और किसी भी सदस्य को दूसरे सदस्य को बाहर करने का अधिकार नहीं है।

फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए दूसरे दौर का मतदान आज, मैक्रों या मरीन ले पेन किसके सिर सजेगा ताज

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव के लिए दूसरे दौर का मतदान रविवार 24 अप्रैल को होगा। इस चुनाव में मुकाबला मौजूदा राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और दक्षिणपंथी मरीन ले पेन के बीच है। शुक्रवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन दोनों उम्मीदवारों ने वोटरों को लुभाने के लिए जोरदार रैलियां कीं और एक-दूसरे पर जमकर हमले बोले। मैक्रों की नजरें लगातार दूसरी बार जीत हासिल करने पर हैं।

मैक्रों ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मरीन का दक्षिणपंथ निराशा से भरा हुआ है। यह समाज को तोड़ने और नफरत का जोखिम पैदा करता है। पहले दौर के चुनाव में किसी भी उम्मीदवार को 50 फीसदी से अधिक वोट नहीं मिले थे। रिपब्लिकन ऑन द मूव पार्टी के मैक्रों को 27.8 फीसदी और नेशनल रैली की मरीन ले पेन को 23.1 फीसदी वोट मिले थे। दूसरे दौर के ओपिनियन पोल मौजूदा राष्ट्रपति मैक्रों को बढ़त दे रहे हैं, लेकिन ले पेन की दक्षिणपंथी पार्टी सत्ता के इतने करीब कभी नहीं आई, इसलिए अटकलों का बाजार गर्म है।

फ्रांस के चुनाव का सबसे प्रमुख मुद्दा 'कॉस्ट ऑफ लिविंग' है जिसमें बिजली के बिल, राशन के दाम और ईंधन की कीमतें शामिल हैं। ले पेन ने एक ऐसी सरकार का वादा किया है जो 'कॉस्ट ऑफ लिविंग' की महंगाई को कम करेगी। वह वोटरों से पूछ रही हैं- 'फ्रांस या मैक्रों?' वहीं मैक्रों ने पिछले दिनों एक टीवी बहस में अपनी प्रतिद्वंद्वी ले पेन पर रूस के साथ उनके संबंधों और मुस्लिम महिलाओं को सार्वजनिक स्थान पर हिजाब पहने के अधिकार से वंचित करने को लेकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि ले पेन 'परमाणु-हथियारों से लैस' और जातीय रूप से विविधता रखने वाली 'यूरोपीय शक्ति' का नेतृत्व करने और रूस का मुकाबला करने की क्षमता नहीं रखतीं। उन्होंने कहा कि ले पेन विश्वास करने लायक नहीं हैं। उन पर बेईमानी का आरोप लगाते हुए मैक्रों ने कहा कि उन्होंने अपने चुनावी वादों में गलत आंकड़ों का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी कहा कि ले पेन की मुस्लिम महिलाओं के सार्वजनिक स्थानों पर हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने की योजना से देश में 'गृह युद्ध' शुरू हो जाएगा। पश्चिमी यूरोप में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी फ्रांस में ही है। ले पेन ने कहा कि वह अगर फ्रांस की पहली महिला राष्ट्रपति के रूप में चुनी जाती हैं, तो महंगाई कम करना उनकी प्राथमिकता होगी।

झूठ को आप साबित नहीं कर सकते: जॉनी डेप

-पूर्व पत्नी एम्बर हर्ड द्वारा लगाए गए मानहानि मुकदमे पर दी सफाई

लॉस एंजिलस (ईएमएस)। हॉलीवुड स्टार जॉनी डेप ने कहा कि झूठ झूठ होता है, और सच सामने आ ही जाता है। झूठ को आप साबित नहीं कर सकते। पूर्व पत्नी एम्बर हर्ड द्वार उनके ऊपर किए गए मानहानि मुकदमे में सफाई देते हुए कहा कि उनके ऊपर लगाए गए घरेलू हिंसा के सभी आरोप गलत हैं।

अपने स्वयं के वकील से पूछताछ के तहत, डेप ने इस बात से इनकार किया कि उन्होंने कभी भी हर्ड, या किसी अन्य महिला के साथ हिंसक व्यवहार किया है। हर्ड ने डेप पर रिलेशनशिप के दौरान कई मौकों पर उनके साथ मारपीट करने, उनका गला घोंटने और लात मारने का आरोप लगाया है। हर्ड ने यह भी आरोप लगाया है कि 2015 में ऑस्ट्रेलिया में एक लड़ाई के दौरान डेप ने एक बार उनका यौन उत्पीड़न भी किया था। डेप और हर्ड का 2016 में तलाक हो गया था। दिसंबर 2018 में, हर्ड ने एक ओपिनियन पीस प्रकाशित किया जिसमें उन्होंने अपने पूर्व के आरोपों के बारे में बताया था। जिसके बाद डेप ने उन पर 50 मिलियन डॉलर का मुकदमा कर दिया।

डेप ने कहा था कि मैंने न केवल अपने लिए स्टैंड लेना जरूरी समझा, बल्कि अपने बच्चों के लिए भी स्टैंड लेना मेरी जिम्मेदारी है। ठमेरा ऐसा करना इस लिए भी जरूरी था कि मेरे बच्चे स्कूल जाएंगे तो उन्हें वहां इस बात से जुड़ी चीजों के लिए शर्मिदा न होने पड़ेठ उन्होंने हर्ड के साथ अपने रिश्ते की शुरूआत के बारे में भी कहा कि वह शुरु में बहुत अच्छी थी। ठवह चौकस थी। वह प्यार करती थी। वह स्मार्ट थी। वह दयालु थी। वह फनी थी। वह मुझे समझती थीठ ठलेकिन डेढ़ साल के भीतर वह काफी बदल गईं। ऐसा लगता था कि मैं उसे जानता ही नहीं हूं, वह अजनबी है।ठडेप ने कहा कि उनके खिलाफ आरोप काफी गंभीर और परेशान करने वाले थे।

जापान में 10 फुट लंबा अत्यंत दुर्लभ जिंदा जीव तट पर आया, लोगों में दहशत

टोक्यो (ईएमएस)। जापान के तट पर 10 फुट लंबा अत्यंत दुर्लभ जिंदा जीव बहकर आ गया। जिसके बाद तट पर घूमने पहुंचे लोग जीव को देखकर दहशत में आ गए। बताया जा रहा है, कि यह दुर्लभ प्रजाति का स्क्विड था। स्क्विड को फूकूई प्रांत के ओबामा में उगू तट पर पाया गया है। अधिकारी ने कहा कि इस तरह के स्क्विड का जिंदा तट पर बहकर आना अपने आप में असामान्य घटना है।

स्क्विड को अब सकाई शहर में जापान के इचिजेन मत्सूशिमा एक्वेरियम में रखा जाएगा। इससे पहले साल 2020 में दक्षिण अफ्रीका में बीच पर जाने वाले लोगों को विशाल और आश्चर्यजनक स्क्विड का सामना करना पड़ा था। अपनी तरह का दुर्लभ मामला था जब यह जीव समुद्री बालू पर पाया गया था। वैज्ञानिक हाथी के बच्चे के वजन के बराबर के इस जीव का अध्ययन करना चाहते थे। यह स्क्विड एक वयस्क इंसान से आकार में दोगुना था। इस जीव को एक फ्रीजर में रखा गया है ताकि वह सुरक्षित रहे। यह विशाल स्क्विड 43 फुट तक लंबा हो सकता है। इतना विशाल आकार लोगों को समुद्री राक्षस कहे जाने वाले क्राकेन की याद दिलाता है। स्क्विड एक बहुत ही शर्मीला जीव होता है जिसकी साल 2002 से पहले तक जिंदा रहने के दौरान खींची गई कोई तस्वीर नहीं थी। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के ब्रिटानिया खाड़ी में समुद्र तट पर घूमने आए लोगों का पहली बार जिंदा स्क्विड से सामना हुआ था।

अभी कुछ महीने पहले ही ब्रिटेन में रहने वाली महिला ने देवोन समुद्री बीच पर एक खतरनाक मछली दिखी थी। इस मछली के दांत ब्लेड की तरह से बेहत तेज थे और उसकी जीभ बहुत लंबी थी।

मैं बहुत ज्यादा कन्फ्यूज हूं

मैं जल्द ही बताऊंगा राजनीति में प्रवेश करना है कि नहीं : नरेश पटेल

नरेश पटेल ने मीडिया को बताया है कि, हमारी महासभा का आयोजन सावन महीने के करीब होगा २७ अप्रैल को खोडलधाम में हमारी बैठक है

राजकोट, २३ अप्रैल।

इस वर्ष में गुजरात में विधानसभा चुनाव होना है, तब गुजरात की राजनीति में उथलपुथल की शुरूआत हो गई है। खोडलधाम ट्रस्ट के चेयरमैन नरेश पटेल शनिवार को सामाजिक प्रसंग पर दिल्ली पहुंचे। जहां वह प्रशांत किशोर को मिले। दिल्ली से राजकोट आने के बाद उन्होंने मीडिया को बताया है कि, प्रशांत किशोर को मिला हूं, हार्दिक पटेल मेरे पास आये थे। मैं अभी कन्फ्यूज हूं। १५ मई तक में बताऊंगा कि राजनीति में प्रवेश करना है कि नहीं। इस तरह नरेश पटेल किस पार्टी में शामिल होंगे यह दो नंबर की बात है लेकिन उनकी राजनीति में शामिल होने को लेकर अभी भी सस्पेंस जारी है। नरेश पटेल ने मीडिया समक्ष बताया है कि, मैं दिल्ली में एक सामाजिक काम के लिए गया था। इसके अलावा एक शादी में भी गया था। जहां कई नेताओं को मिलना हुआ था। मैं किसी ऑफिस में नहीं गया। किसे मिलना हुआ इसका नाम नहीं दूंगा कुछ ही दिनों में घोषणा करूंगा। मेरे में निर्णय शक्ति का अभाव नहीं है।

इसलिए राजनीति में आना है कि नहीं यह मैं ही निश्चित करूंगा। अब तो सर्वे भी पूरा हो गया है। इसे लेकर सोमवार को मीटिंग भी आयोजित होगी। तथा दूसरी तारीख को कांग्रेस में शामिल होने पर इसकी कोई स्पष्टता नहीं है। नरेश पटेल ने आगे बताया है कि, मैं गत दिन प्रशांत किशोर को मिला। इसके अलावा हार्दिक पटेल भी मेरे से मिलने आये। उनके दो-चार प्रश्न है। इसे हल करने की पेशकश की है। प्रत्येक पक्ष के लोग मुझे मिलते हैं। सभी मेरा संपर्क करते हैं। मुझे कब शामिल होना यह मई महीने के अंत तक में घोषणा करूंगा। उन्होंने आगे बताया है कि, मैं बहुत कन्फ्यूज हूं कि मुझे मीडिया और समाज को जबाव देना पड़ता है। लेकिन मैं अब मेरा निर्णय १५ मई पहले घोषित करूंगा। प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल हो गये है यह लोग कहते है लेकिन मैं स्पेसिफिक बात करूंगा तो आप सभी को मालूम हो जाएगा। हार्दिक पटेल का भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर इसका जो रवैया है। यह उनका निजी निर्णय है। आगे कहा कि हमारी महासभा का आयोजन सावन महीने के करीब होगा २७ अप्रैल को खोडलधाम में हमारी बैठक है।

गुजरात कांग्रेस के एक और नेता ने छोड़ा हाथ का साथ, आज आप जॉइन करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के एक के बाद एक झटके लगने का सिलसिला जारी हैं हाल ही में सौराष्ट्र के दो दिग्गज नेता वशराम सागठिया और इंद्रनील राज्यगुरु कांग्रेस छोड़ आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हुए हैं अब कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता कैलाश गढ़वी का भी पार्टी से मोहभंग हो गया हैं कैलाश गढवी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की है और रविवार को वह आम आदमी पार्टी जॉइन करेंगें कैलाश गढवी ने अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की तस्वीर भी ट्वीटर पर साझा की हैं हाल ही में कैलाश गढवी ने ट्वीट कर कहा था कि 'अब कांग्रेस में बहुत थकान लगती हैं चलिए कुछ नया करते हैं सत्ता पाने या सरकार बनाने के कट्टर संकल्प के अभाव में पिछले काफी समय से कांग्रेस का नेतृत्व गुजरात में सरकार बनाने में निष्फल रहा हैं जिससे सबसे ज्यादा नुकसान जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को होता है, जो दिन रात मेहनत करते हैं अब बहुत थकान लगी है, चलिए कुछ नया करते हैं पेशे से चार्टर्ड एकाउन्टन्ट कैलाश गढ़वी के मुताबिक मुझे कांग्रेस ने नवसर्जन या नया संचार जैसा कुछ दिखाई नहीं देता, जिससे अब अपने 300 जितने समर्थकों के साथ आम आदमी पार्टी जॉइन करने जा रहा हूँ कुछ समय पहले कैलाश गढवी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी और उसी वक्त आप जॉइन करने का फैसला कर लिया थी

४ जोन में सम्मेलन करने की तैयारी में कांग्रेस

प्रियंका गांधी मिशन २०२२ को लेकर गुजरात आएंगी

निकट भविष्य में गुजरात में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है

अहमदाबाद, २३ अप्रैल।

निकट भविष्य में गुजरात में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। हर पार्टी के दिग्गज नेता गुजरात का दौरा कर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात का दौरा करेंगी।

मिशन २०२२ के लिए प्रियंका गांधी मई के अंत में गुजरात आ सकती हैं। मिल रही जानकारी के अनुसार प्रियंका गांधी मध्य गुजरात में एक महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगी। इसके अलावा आणंद एवं खेड़ा जिला में सहकारी क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं का सम्मेलन होगा। गुजरात कांग्रेस ने महिला अधिवेशन की तैयारी शुरू कर दी है। सहकारिता क्षेत्र से जुड़ी २० हजार से अधिक महिलाओं के सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर हैं।

कांग्रेस गुजरात के चार जोन में अलग अलग अधिवेशन आयोजित करने की योजना बना रही है। कांग्रेस इस बार बीजेपी को हराने के लिए गुजरात में अपनी स्टार प्रचारक और लोकप्रिय युवा प्रियंका गांधी को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकती है। कांग्रेस ने प्रियंका को गुजरात विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक सीटें जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाने का निर्देश दिया है। आपको बता दें कि, गुजरात में पिछली बार लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने सभी २६ सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके अलावा विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करने के बाद भी सत्ता हासिल करने में कामयाब नहीं हुई थी।

जिसके बाद कई कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। सूत्रों ने बताया है कि प्रियंका गांधी आने वाले दिनों में यानी मई के अंत में मध्य गुजरात पहुंचेंगी और स्थानीय नेताओं से चर्चा करेंगी की भाजपा के खिलाफ कैसे जीत हासिल करें, इस पर मार्गदर्शन देंगी।

व्यापारी पुलिस की रडार पर

जमाखोरों के पाप से मांग घटने पर भी नींबू की कीमत कम नहीं हुई

अहमदाबाद, २३ अप्रैल।

आजकल यदि आपको कोई उपहार में नींबू दे तो आप अपने को नशीबदार समझना क्योंकि चालू वर्ष में गर्मी में यह खट्टा फल की कीमत आसमान को छू रही है। सिर्फ खानेपीने की वस्तु ही नहीं खराब नजर उतारने के लिए भी इस्तेमाल होता नींबू हाल बहुत ही महंगा हो गया है। जनवरी में एक नींबू २ रुपये में मिलता था जबकि आज रिटेल मार्केट में एक नींबू १५ से २५ रुपये के बीच बिकता है। शहर पुलिस का मानना है कि, कोई अनैतिक व्यापारी के खराब इरादे की वजह से नींबू की कीमत में कृत्रिम कीमत वृद्धि हुई है। इंटेलिजन्स तरफ से जानकारी मिली है कि, साबरकांठा, मेहसाणा, गांधीनगर और अहमदाबाद में स्थित कई कोल्डस्टोरेज के मालिकों ने नींबू की जमाखोरी की है और इसी वजह से कीमतें बढ़ गई है। इस बात की पुष्टि करते हुए शहर के एक पुलिसकर्मी ने बताया है कि, जमालपुर एपीएमसी के एक पदाधिकारी ने उनको जानकारी दी है कि, कृत्रिम कमी पैदा करने के लिए नींबू का संग्रह किया जा रहा है। गर्मी की शुरूआत हो गई इसके पहले यानी कि फरवरी के अंत से कई व्यापारियों नींबु का संग्रह करने का शुरू किया था, यह केस से जुड़े हुए एक पुलिसकर्मी ने बताया है। गर्मी में तापमान का ४० डिग्री को पार कर जाता है तब यह तापमान और अहमदाबाद जैसी हिटवेव का सामना कर रहा है ऐसी स्थिति में प्रत्येक को बने इतना कम बाहर निकलने और पानी पीने की इसमें विशेष करके नींबू पानी पीने की सलाह दी गई है। लेकिन आपूर्ति के सामने मांग कई गुना बढ़ने पर नींबू इतना महंगा हुआ कि राजकोट के एक शादी में मेहमानों ने दुल्हे को उपहार में नींबू से भरा बॉक्स दिया था। पुलिस और एपीएमसी का माने तो एक व्यापारी ने साबरकांठा के हिम्मतनगर के वखार में करीब ३०० टन नींबू को जमा किया है। आज २०० रुपये प्रति किलो नींबू खुदरा बाजार में बिकता है।

८० साल पार कर चुके शिक्षकों को सेवानिवृत्ति का लाभ

अहमदाबाद, २३ अप्रैल।

गुजरात में २७ साल बाद सेवानिवृत्त हुए ८० वर्ष से अधिक उम्र के शिक्षकों को अंततः न्याय मिला है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष ब्याज राशि के चेक सहित सेवानिवृत्त शिक्षकों के लिए पेंशन अंतर की राशि बैंक को हस्तांतरित की गई। इस दौरान अरविंद कुमार ने लिखा कि इन शिक्षकों द्वारा पढ़ाए गए कुछ छात्र आज जज या वकील बन चुके होंगे। गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने मेहसाणा जिले के प्राथमिक शिक्षा अधिकारी को फटकार लगाई है और तीखी फटकार के बाद सेवानिवृत्त शिक्षकों को मिलने वाले लाभ की राशि का भुगतान किया गया है। शिक्षकों को कोर्ट रुम में ब्याज दिया गया। चेक मिलते ही उनके चेहरे पर खुशी झलक रही थी। ऐसे में अदालत ने जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों के बीच पेश होने वाले वकील को फटकार लगाते हुए कहा, उनके चेहरों को देखो, आज उनके अधीन पढ़ने वाले कुछ छात्र वकील या न्यायाधीश भी बन चुके होंगे। वर्ष १९९५ में आवेदक तीनों शिक्षक सेवानिवृत्त हुए थे। लेकिन उन्हें उच्च वेतनमान और पेंशन का लाभ नहीं दिया गया। इसलिए कोर्ट का सहारा लेना पड़ा। इससे पहले की सुनवाई में अदालत ने सेवानिवृत्त ८० वर्षीय शिक्षकों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी और उन्हें जल्द से जल्द बकाया भुगतान करने का आदेश दिया था। जिसके बाद तीनों शिक्षकों को कुल ३३ लाख ६६ हजार रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

हिट रन की घटना में 70 वर्षीय वृद्ध की मौत, हादसे के बाद कार समेत ड्राइवर फरार

राजकोट (ईएमएस) जिले के गोंडल शहर में हिट एन्ड रन की घटना सामने आई हैं जिसमें बेलगाम एक एन्डोवर कार चालक दो मोटर साइकिलों को अपनी चपेट में लिया इस हादसे में 70 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई जबकि अन्य लोग घायल हो गए हादसे के बाद कार समेत ड्राइवर फरार हो गया गोंडल पुलिस मामले की जांच कर रही हैं राजकोट जिले के गोंडल शहर में विक्रम सिद्धि कॉम्प्लेक्स रोड पर यह घटना घटी हैं जानकारी के मुताबिक विक्रम सिद्धि कॉम्प्लेक्स एक एन्डोवर कार के चालक ने अचानक स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया ड्राइवर के स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवाने पर कार बेलगाम हो गई और दो मोटर साइकिलों को अपनी चपेट में ले लिया जिसमें 70 वर्षीय इकबाल इस्माइल मुकाती नामक 70 वर्षीय वृद्ध घटनास्थल पर ही मौत हो गई इस घटना में घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं खबर मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया साथ ही घटना को अंजाम देकर फरार एन्डोवर कार चालक की तलाश भी शुरू कर दी हैं

गुजराती वाहन घर पर रखकर सरकारी बस में यात्रा करने लगे

एक ही महीने में सरकारी बस की आय में वृद्धि हुई है, एक तरफ लोग जहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट तरफ बढ़ने लगे हैं

अहमदाबाद, २३ अप्रैल।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में भारी बढ़ोतरी हुई है। आम जनता के लिए यह बढ़ोतरी परेशान करने वाला है।

अब लोगों ने अब नया रास्ता अपनाया है। पेट्रोल-डीजल के खर्च से बचने के लिए अब लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट तरफ बढ़ने लगे हैं।

सरकारी परिवहन का उपयोग बढ़ गया है। जिसकी वजह से एक ही महीने में सरकारी बस की आय में वृद्धि हुई है। हालांकि, एक तरफ लोग जहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट तरफ बढ़ने लगे हैं, वहीं दूसरी तरफ क्या उनको उचित सुविधा मिल रही है यह जानकारी सामने आया है कि, लोगों के उपयोग के सामने पर्याप्त बस नहीं है। एएमटीएस-बीआरटीएस पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी होने पर लोग सार्वजनिक परिवहन तरफ मुड़ गये हैं। पिछले एक महीने में ही एएमटीएस और बीआरटीएस की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लेकिन क्या इसके सामने लोगों को सुविधा अच्छी मिल रही है। शहर में ४२ डिग्री के तापमान के बीच लोग सार्वजनिक परिवहन की सुविधा से कितने खुश यह विषय का रियालिटी चेक किया गया। नीति आयोग के एक रिपोर्ट के अनुसार सार्वजनिक परिवहन के लिए शहर के हर १००० व्यक्तियों के बीच १ बस होना चाहिए। यह रिपोर्ट के अनुसार अहमदाबाद में ६ हजार बस होनी चाहिए। लेकिन फिलहाल एएमटीएस की ७५० और बीआरटीएस की ३५० इस तरह कुल ११०० बस है। स्थिति है कि, पीकअवर्स में भारी भीड़ के बीच लोगों ने परिवहन करना पड़ रहा है। यात्रियों ने बताया है कि, उनको कम बस में यात्रा करने में मुश्किल होती है। कम बस होने की वजह से लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। अहमदाबाद जैसे बड़े शहर में एएमटीएस बस की संख्या में वृद्धि करना चाहिए। बीआरटीएस बस में पहले १ लाख ४५ हजार दैनिक यात्री यात्रा करते थे।

मोनिका शर्मा द्वारा आयोजित किया जा रहा सेलिब्रेटी अवार्ड शो

वैसेतो आज के इस दौर में कई लोग व्यूटी इन्डस्ट्री के लिये कार्य कर कई इवेन्ट आयोजित कर रहे है। परन्तु ब्यूटी ईवेन्ट की यदि बात की जाये तो मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल निवासी मोनिका शर्मा की पहचान सबसे अलग बनती जा रही है क्योंकि मोनिका अब सिर्फ मध्यप्रदेश में ही नही पूरे भारत में इस तरह के आयोजन कर रही हैं।

गौर तलब है कि ब्यूटी ईवेन्ट की इस कडी में मोनिका शर्मा आगामी 26 अप्रैल को गुजरात के अहमदाबाद शहर में साल का सबसे बडा आयोजन '' ग्रैंड बिजनेस ब्यूटी अवार्डस् शो '' कर रही है जिसमें मुख्य अतिथी के तौर पर बोलीवुड की मशहूर अदाकारा माईका अरोरा उपस्थित रहेंगी साथ ही बालीवुड एक्ट्रेस एवं नागिन-6 सीरियल की मुख्य कलाकार महक चहल , ममता सोनी, रितिका जिल्का एवं कई बोलीवुड सितारोंकी मौजूदगी भी इस आयोजन में रहेगी। इस आयोजन के बारे में विस्तार से बात करते हुए मोनिका शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम पहले 9 अप्रैल को प्रस्तावित था परन्तु मलाईका अरोरा का एक्सीडेन्ट हो जाने के कारण यह अब 26 अप्रैल को अहमदाबाद में आयोजित किया जा रहा है। इसी के साथ उन्होने बताया कि देश भर से अनेको प्रतिभागी शामिल होंगे ।कार्यक्रम में व्यूटी एवं मेकअप तथा फैशन से जुडे कलाकारों को व्यूटी अवार्डस् तथा जाने माने व्यवसाईयों को बिजनेस अवार्डस-2022 से सम्मानित किया जायेगा जिनका चयन प्रतिभागीयों की उपलब्धियों एवं प्रोफाईल के आधार आनलाईन किया गया है।साथ ही विजेताओं को थाईलेन्ड की ट्रिप की जा रही है ।

उल्लेखनीय है कि आगामी 26 अप्रैल को आयोजित हो रहा ग्रैंड ब्यूटी अवार्डस् का यह 5 वा संस्करण है जो कि अहमदाबाद के के होटल नारायणी हाईट्स में आयोजित हो रहा है जिसको गुजरात टेरिज्म, आसिमा ग्रुप, एल.एक्स माडलिंग ऐजेन्सी, ज्योति फाउन्डेशन ट्रस्ट आदि का सहयोग प्राप्त है।

स्पेशल – इसी के साथ मोनिका शर्मा ने बताया कि आगामी समय में देश के बडे शहरों दिल्ली, मुम्बई के साथ ही विदेशों में भी इसी प्रकार के बडे आयोजन करने जा रही हैं जिसकी घोषण जल्द ही की जायेगी।

ग्रैंड शो आयोजित कर मोनिका शर्मा ने देश में बनाई अपनी विशिष्ट पहचान।

आईआरसीटीसी द्धारा स्वदेश दर्शन के अंतर्गत उत्तर भारत टूर पैकेजो की बुकिंग शुरु

अहमदाबाद (ईएमएस) यात्रीओ की मांग को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे केटरिंग एण्ड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) रिजनल ऑफिस, अहमदाबाद द्धारा महेसाणा से स्वदेश दर्शन उत्तर भारत स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन तथा विभिन्न हवाई टूर पैकेज चलाये जा रहे है। जिसका विवरण निम्नलिखित है।:-

1. स्वदेश दर्शन उत्तर भारत स्पे.टूरिस्ट ट्रेन :- दिनांक :- 26.05.2022 से 02.06.2022 **(7N/8D)**

अधिक जानकारी देते हुए आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र के समुह महाप्रबंधक राहुल हिमालियन ने बताया कि यह टूरिस्ट ट्रेन महेसाणा से रवाना होगी और महेसाणा वापस आएगी और इस यात्रा में यात्रियो को मथुरा, हरिद्वार, ऋषिकेश, और माता वैष्णोदेवी के दर्शन कराए जाएगे। उक्त ट्रेन में यात्रीयो को साबरमती, छायापुरी तथा रतलाम स्टेशन से यात्रा आरंभ करने की सुविधा रहेगी। यात्रा पैकेज में भोजन (चाय-नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का भोजन), रोड परिवहन के लिए बस व्यवस्था, पैकेज के अनुसार उचित आवास, टूर एस्कॉर्ट, कोच सुरक्षा गार्ड की सुविधा, हाउसकीपिंग और सूचना के लिए अनाउंसमेंट कि सुविधा उपलब्ध रहेगी। अधिक जानकारी के लिए लोग ईन करें .ैूूर्दलैस.म्दस अथवा संपर्क करे 079-26582675 , 8287931718, 9321901849, 9321901851, 9321901852। इसके अलावा यात्री वड़ोदरा, सुरत, राजकोट तथा आश्रम रोड स्थित अहमदाबाद के ध्ंिऊण कार्यालय से तथा अधिकृत एजेन्टो से भी बुकिंग करा सकते है।

2. **IRCTC** रीजनल ऑफिस अहमदाबाद द्धारा हवाई टूर पैकेज की शुरुआत।

यात्रीओ की मांग को ध्यान में रखते हुए **IRCTC** द्धारा विभिन्न पर्यटन स्थलों के लिए हवाई यात्राओ की योजना भी शुरू की गई है जो की आने वाले माह- अप्रैल, मई और जून 2022 से मार्च 2023 के बीच में अहमदाबाद से आयोजित किए जाएंगे और सभी टूर पैकेज में हवाई यात्रा के साथ साथ रात्रि ठहराव के लिए पैकेज अनुसार स्टार होटल और टूरिस्ट स्थलो पर भ्रमण हेतु ंण/‍र्द्ंण गाडियो की सुविधा पैकेज में समलित है। उपरोक्त टूर पैकेजो के अतिरिक्त भविष्य में लेह लद्दाख के साथ तुरतुक, अंडमान, कर्नाटक, नॉर्थ -ईस्ट, शिमला- मनाली, कश्मीर और केरल के पर्यटन पैकेज भी प्रस्तावित है। उपरोक्त टूर पैकेजो के बारे में जानकारी देते हुए ध्ंिऊण के पश्चिम क्षेत्र के समुह महाप्रबंधक श्री राहुल हिमालियन ने यह भी आग्रह किया कि यात्री ''केन्द्र शासन की वेक्सिनेशन प्रोग्राम'' में भाग लेकर शीघ्र वेक्सिनेशन कराए और कोविड से सुरक्षित हो।

यात्रियों कि सुरक्षा के लिए सभी यात्रियों की यात्रा शुरू करने से पहले थर्मल स्क्रीनिंग की जाएगी, ''आरोग्य-सेतु'' ऐप डाउनलोड करना सुनिश्चित किया जायेगा। जिसे कि यात्रियों को एक सुखद यात्रा दी जा सके। यात्रियों से यह सुनिश्चित करने की अपेक्षा की जाती है कि ''केन्द्र और राज्य सरकारों द्धारा जारी कोविड-19 के सुरक्षा नियमों का पालन करे'' और स्वयं की यात्रा को सुखद बनाने के लिए ध्ंिऊण को सहयोग प्रदान किया जाए।

ट्रैफिक ब्रिगेड के जवान शराब की हेराफेरी के आरोप में गिरफ्तार

राजकोट (ईएमएस) शहर की यूनिवर्सिटी पुलिस ने बाइक सवार दो शख्सों को शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार दोनों शख्स राजकोट शहर ट्रैफिक ब्रिगेड के जवान हैं पुलिस ने शराब और मोटर साइकिल समेत रु. 22100 का मालसामान जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक राजकोट में रैयाधार मफतिया परा क्षेत्र में पुलिस ने मोटर साइकिल पर सवार दो संदिग्धों को दोनों से पूछताछ की दोनों की तलाशी लेने पर एक शख्स के पास से शराब की एक बोतल बरामद हुई पूछताछ में पता चला कि दोनों शख्स राजकोट शहर ट्रैफिक ब्रिगेड में नौकरी करते हैं अपने घर से शराब की बोतल लेकर दोनों किसी को पहुंचाने जा रहे थे ट्रैफिक ब्रिगेड के घर की तलाशी में पुलिस को देशी बनावट की शराब की बोतलें बरामद हुई यूनिवर्सिटी पुलिस ने अलग अलग ब्रांड की 750 एमएल की 6 बोतलें, 300 एमएल की 1 बोतल, 1 मोटर साइकिल समेत रु. 22100 का माल सामान जब्त कर कानूनी कार्यवाही शुरू की हैं

सुरेन्द्रनगर-राजकोट सेक्शन में डबल ट्रैक के कार्य के चलते 2 मई तक रेल यातायात होगा प्रभावित

राजकोट मंडल के सुरेन्द्रनगर-राजकोट सेक्शन में स्थित दिगसर-मुलीरोड स्टेशनों के बीच डबल ट्रैक कार्य के लिए ब्लॉक लिया जाएगा जिसके चलते 23.04.2022 से लेकर 02.05.2022 तक रेल यातायात प्रभावित होगा। प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

रद्द की गयी ट्रेनेंः

ट्रेन नं 22959 वडोदरा-जामनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस 24.04.2022 से लेकर 01.05.2022 तक रद्द।

ट्रेन नं 22960 जामनगर-वडोदरा इंटरसिटी एक्सप्रेस 25.04.2022 से लेकर 02.05.2022 तक रद्द।

आंशिक रूप से रद्द की गयी ट्रेनेंः

ट्रेन नं 19209 भावनगर-ओखा एक्सप्रेस को 25.04.2022 से लेकर 30.04.2022 तक भावनगर से लेकर सुरेन्द्रनगर तक चलाया जाएगा। इस तरह यह ट्रेन सुरेन्द्रनगर-ओखा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

ट्रेन नं 19210 ओखा-भावनगर एक्सप्रेस को 26.04.2022 से लेकर 01.05.2022 तक सुरेन्द्रनगर से लेकर भावनगर तक चलाया जाएगा। इस तरह यह ट्रेन ओखा-सुरेन्द्रनगर के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

ट्रेन नं 19119 अहमदाबाद-सोमनाथ इंटरसिटी एक्सप्रेस को 24.04.2022 से लेकर 01.05.2022 तक अहमदाबाद से लेकर सुरेन्द्रनगर तक चलाया जाएगा। इस तरह यह ट्रेन सुरेन्द्रनगर-सोमनाथ के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

ट्रेन नं 19120 सोमनाथ-अहमदाबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस को 24.04.2022 से लेकर 01.05.2022 तक सुरेन्द्रनगर से लेकर अहमदाबाद तक चलाया जाएगा। इस तरह यह ट्रेन सोमनाथ-सुरेन्द्रनगर के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

गौर तलब है कि उपरोक्त उल्लेख की गयी सभी तारीखें ट्रेनों के प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान की है।

24.04.2022 से लेकर 01.05.2022 तक मार्ग में रेगुलेट (लेट) होने वाली ट्रेनेंः

ट्रेन नं 12268 हापा-मुंबई सेंट्रल दुरंटो एक्सप्रेस प्रतिदिन 30 मिनट

ट्रेन नं 19015 मुंबई सेंट्रल-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस प्रतिदिन 10 मिनट

ट्रेन नं 19578 जामनगर-तिरुनलवेली एक्सप्रेस प्रति रविवार 25 मिनट

ट्रेन नं 22939 हापा-बिलासपुर एक्सप्रेस प्रति रविवार 25 मिनट

ट्रेन नं 22924 जामनगर-बांद्रा हमसफर एक्सप्रेस प्रति रविवार, मंगलवार और शुक्रवार को 25 मिनट

उल्लेखनीय है कि तारीख 23.04.2022 व 24.04.2022 को भावनगर से चलनेवाली ट्रेन नं 19209 भावनगर-ओखा एक्सप्रेस तथा तारीख 24.04.2022 व 25.04.2022 को ओखा से चलने वाली ट्रेन नं 19210 ओखा-भावनगर एक्सप्रेस जिसे पूर्व में आंशिक रूप से रद्द किया गया था उसे विद्यार्थियों की उएएएँ परीक्षा के मद्देनज़र उपरोक्त बताए गए दो दिनों के लिए फिर से बहाल किया गया है।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें और ट्रेनों के परिचालन संबन्धित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार कि असुविधा ना हो।

स्वास्तिका की शानदार परफॉर्मेंस पर मोहित होकर सुरेश वाडकर ने उन्हें अपने साथ लाइव शो करने का न्यौता दिया

ज़ी टीवी ने हाल ही में अपनी तरह के पहले भक्ति–गायन रियलिटी शो 'स्वर्ण स्वर भारत' के प्रीमियर के साथ सबको मंत्रमुग्ध कर दिया है। यह शो माननीय प्रधानमंत्री की अभिनव पहल 'आज़ादी का अमृत महोत्सव – भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ' के उपलक्ष्य में एक खास पहल है, जो हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभूतपूर्व उत्सव मनाता है। असल में दर्शक भी इस शो का काफी आनंद ले रहे हैं, जो उन्हें दोहों और भावपूर्ण भक्ति संगीत के माध्यम से सुनाई जाने वाली जानी–पहचानी सी कथाओं के जरिए अपनी जड़ों से जोड़ता है। जहां सभी कंटेस्टेंट्स ने अपनी बेमिसाल और दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस के साथ जजों और दर्शकों का मन मोह लिया है, वहीं इस वीकेंड नागपुर (महाराष्ट्र) की स्वास्तिका ठाकुर अनुराधा पौडवाल के मशहूर गीत 'शिवनाथ तेरी महिमा जब तीन लोक गाएं' पर एक खूबसूरत प्रस्तुति देकर सबका दिलजीत लेंगी। उनकी यह प्रस्तुति देखकर स्वर्ण स्वर भारत के सेट पर मौजूद सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए। असल में स्वास्तिका की परफॉर्मेंस ने जज सुरेश वाडकर को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने उसे भविश्य में अपने साथ मंच पर गाने का न्यौता भी दिया।''

भारत में ५ लाख से अधिक लोगों को प्रोस्थोटिक, ओर्थोटिक डिवाइसीस की आवश्यकता

अहमदाबाद,दि.२३

भारत में ५ लाख से अधिक लोगों कों प्रोस्थेटिक व ओर्थोटिक डिवाइसीस की जरूरत है। और यह संख्या लगातार २५ से ३० हजार के जितनी बढ़ती जा रही है। महगें खर्चे के कारण यह डिवाइसीस सीमित लोगों की पहुंच तक ही संभव हो पाया है। जबकि समाज का एक बड़ा तबका वंचित संख्या के रूप से जीवन यापन कर रहा है।

इस परिस्थिती में परिवर्तन लाने एक संस्था कटीबद्ध है। जो इस तरह के सभी लोगों को चिकित्सीय सुविधा व सुरक्षा देखभाल प्राप्त हो इसका निरंतर ख्याल रख रही है। अहमदाबाद की मधुरम चेरिटेबल ट्रस्टने तीन वर्ष से भी कम समय में ८५ लोगों का जीवन बदल दिया है। जिसमें अधिकांशतः बालक है। जिन्हे जर्मनी से आयातीत प्रोस्थेटिक पैर उपलब्ध करवाया जाता है। इस पैर की कीमत १ लाख रूपये से लेकर ढाई लाख रू. तक है। संस्था द्वारा समाज के गरीब तबके के ४०० लोगों की शल्य क्रिया व इलाज करके मदद की है।

इस ट्रस्ट ने गत वर्ष जो प्रवृत्ति की है वे प्रसंसनीय, प्रेरक व हृदयस्पर्शी है। उनका घनिष्ठ अहेवाल झायडस केडिला लाइफ साइन्सीज के चेयरमेन पंकज पटेल, बकेरी ग्रुप के पवन बकेरी, वाघबकरी टी ग्रुप के एक्झीक्युटीव डिरेक्टर पराग देसाई, व अन्य महानुभावों की उपस्थिती में शनिवार को जीएलएस ओडिटोरियम मे आयोजित एक समारोह मे विमोचन किया।

इस समारोह मे ट्रस्ट के कार्यो से लाभान्वित होनेवाले लोग भी उपस्थित रहे। ट्रस्ट के कार्य में योगदान देनेवाले १२ लोगों को सम्मानित किया गया। मधुरम चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक व ट्रस्टी श्रध्धा सोपारकर ने बताया कि बिना हाथ पैर वाले कई लोग अपनी बिना किसी भीूल कर कष्टदायक जीवन जीने मजबूर होते है। मधुरम चेरिटेबल ट्रस्ट मे हम संभव हो उतने लोगों को मदद करते हैं। हमें लाभार्थीयों के जीवन में खुशी लाने अपार आनन्द होता है। यह प्रवृत्ति हम दिल से करते हैं। पेश किया गया वार्षिक अहेवाल इस बात का प्रमाण है।

पश्चिम रेलवे – वडोदरा मण्डल

वाणिज्यिक विभाग
"ई" निविदा सूचना
साईकिल/मोटरसाईकिल/स्कूटर/कार पार्किंग स्टेन्ड का अनुबंध

(1) निविदा सं. C481-Pay-Park-GDA-22-2 (2) कार्य का नाम उसके स्थान और पूर्णता की अवधि सहितः गोधरा रेलवे स्टेशन अंतर्गत पे एन्ड पार्क प्रणाली अर्थात एक लाईसन्स आधिन कुल 900 वर्ग मीटर्स के विस्तार मे साईकिल/मोटरसाईकिल/ स्कूटर/ कार पार्किंग स्टेन्ड के अनुबंध का कार्य। (3) अनुबंध की अवधि : 01 वर्ष (4) रीजर्व किंमतः ₹ 2,88,777/- (प्रति वर्ष) (5) निविदा शुल्क : ₹ 1,180/- (केवल ओनलाइन मोड के माध्यम से स्वीकार की जाएगी) (6) ईएमडीः ₹ 14,500/- (केवल ओनलाइन मोड के माध्यम से स्वीकार की जाएगी) (7) निविदा बंद होने का दिनांक और समयः 19.05.2022 को 15.00 बजे (8) निविदा खुलने का दिनांक और समयः 19.05.2022 को 15.30 बजे। (9) पूर्ण विवरण के लिए वेबसाइट : केवल वेबसाईट www.ireps.gov.in द्वारा ऑनलाईन। 005

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95